कोटद्वार, शुक्रवार
24 जनवरी 2025
वर्षः 46
अंकः 254 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

गणतंत्र दिवस पर उत्तराखंड से 46 प्रमुख विशिष्ट अतिथि

देहरादून। नई दिल्ली में 76 वें गणतंत्र दिवस परेड पर उत्तराखंड के 46 लोगों को प्रमुख विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और सरकार की योजनाओं का सवीत्तम उपयोग करने वाले उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों से 46 लोग गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ पर विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इनमें अंतर्राष्ट्रीय खेलों के विजेता अमीषा रावत, दीपा देवी, पीएम विश्वकर्मा योजना से संगीता, सलोनी यादव, कमलेश कश्यप, जोगा सिंह, राजीव रंजन, पीएम सूर्य घर योजना से राजेश भंडारी, जया शर्मा, विपिन कुमार गुप्ता, चेतन ओबेरॉय, हाथ करघा कारीगरों में धन सिंह, सड़क निर्माण श्रमिकों में कुश बुटोला, भूपेन्द्र सिंह, नवीन रावत, मोनू कुमार, जल योद्धाओं में पूजा रावत, रामेश्वरी देवी, ममता शामिल हैं।

भाजपा के महामंत्री, व्यापारी नेता समेत उद्योगपति का नाम वोटर लिस्ट से गायब

हरिद्वार। निकाय चुनाव की मतदाता सूची में नाम शामिल न होने के कारण सिडकुल मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेंद्र गर्ग सहित कई प्रतिष्ठित लोग लोग मतदान नहीं कर पाए। व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष संजीव नैयर और भाजपा जिला महामंत्री आशुतोष शर्मा भी मतदाता सूची में नाम न होने के कारण निकाय चुनाव में मतदान ही नहीं कर पाए। सिडकुल मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेंद्र गर्ग वार्ड नंबर 24 कृष्णा नगर के विष्णु गार्डन में हर बार की तरह इस बार भी वोट डालने पहुंचे। लेकिन उनका वोट मतदाता सूची में से गायब मिला। जिसके चलते वह मतदान ही नहीं कर पाए। ऐसे ही व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष संजीव नैयर वार्ड नंबर 8 गऊघाट में पिछले कई सालों की भांति इस बार भी अपना वोट डालने पहुंचे थे।

मतदान के बीच भाजपा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बीच होता रहा विवाद

हरिद्वार। उत्तरी हरिद्वार के भूपतवाला वार्ड में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान कार्यकर्ता हाथापाई तक उतर आये। गोविंदपुरी वार्ड में भी कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। खन्ना नगर वार्ड के पार्षद प्रत्याशी के पतियों की बहस का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। नगर निगम चुनाव में पार्षद प्रत्याशियों के कार्यकर्ताओं का विवाद मतदान तक होता ही रहा। उत्तरी हरिद्वार के भूपतवाला वार्ड में भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक मतदाता के वोट डालने को लेकर आपस में भीड़ गए। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मतदाता को क्षेत्र का मतदाता न होने की बात कहकर वोट डालने से रोक दिया। इसके बाद भाजपा की पार्षद प्रत्याशी के पुत्र एवं अन्य कार्यकताओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया।

युवक की करंट लगने से मौत

ऋषिकेश। देहरादून के डोईवाला में भानिया वाला में दुर्गा चोक के पास इंटर कॉलेज मार्ग पर हादसा हो गया। 26 साल के युवक मनोज पंवार मकान की छत से एक होर्डिंग उतारते समय करंट की चपेट में आ गए और मौके पर उनकी दर्दनाक मौत हो गई। निकाय चुनाव के प्रत्याशी का बोर्ड उतार रहे थे कि अचानक हवा के झोंके से बोर्ड 33 हजार केवी की लाइन पर गिर गया और मनोज करंट की चपेट में आ गया। बताया गया कि विस्थापित क्षेत्र अठूर वाला के निवासी मृतक युवक की कुछ दिन बाद शादी होनी थी। युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया है। बिजली विभाग के एसडीओ एम एम बहुगुणा ने कहा कि मृतक युवक के परिजनों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने घटना की जांच की भी कही बात।

घायल महिला की मौत

देहरादून। क्रेन की टक्कर से घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने क्रेन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नेहरू कॉलोनी थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि जयवीर सिंह निवासी दीपनगर, अजबपुर ने तहरीर दी। बताया कि 21 जनवरी को शाम करीब तीन से चार बजे के बीच उनकी माता सुशीला देवी उम्र 50 वर्ष रिस्पना पुल पर खड़ी थी।

प्रदेश के 100 निकायों में मतदान संपन्न, अब 25 को होगी मतगणना

●मतदान प्रतिशत 65 से 70 के बीच रहने का अनुमान● 100 निकायों में मतदान कराने के लिए निर्वाचन आयोग ने 16,284 कर्मचारी, 18 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी चुनाव में लगाए थे

देहरादून। उत्तराखंड के 100 नगर निकायों के चुनाव में बृहस्पतिवार को जमकर वोट बरसे। खबर लिखे जाने तक कई निकायों में मतदान चल रहा था। इस बार भी मतदान प्रतिशत 65 से 70 के बीच रहने का अनुमान है। अब 25 जनवरी को मतगणना होगी।

रुड़की में मतदान बंद होने पर हंगामा

रुड़की के माहीग्रान में शाम पांच बजे के बाद लाइन में लगे लोगों ने मतदान करवाने के लिए हंगामा कर दिया। जिससे वहां स्थिति तनावपूर्ण बन गई। पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह मतदान करवाने की जिद पर अड़े रहे। इस बीच किसी ने पत्थर फेंक दिया। जो एक युवक को जा लगा। इस पर हंगामा और बढ़ गया। स्थिति को काबू पाने के लिए पुलिस ने हंगामा करने लोगों पर लाठियां फटकारी जिससे भगदड़ मच गया।

बड़कोट में मतदान केंद्र पर हंगामा

बड़कोट के वार्ड नंबर 4 के डाइट मतदान केंद्र पर हंगामा। पांच बजे के बाद भाजपा प्रत्याशी के साथ मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान को जाने दिया। निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थकों, यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल को नहीं जाने दिया। धक्का मुक्की के साथ हंगामा हुआ। मनवीर सिंह चौहान के खिलाफ नारेबाजी। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए भीड़ को खदेड़ा। विधायक के गनर ने विधायक संजय डोभाल को सुरक्षित बाहर भीड़ से ले आए ।

मसूरी में मतदान केंद्र पर दो पक्षों में मारपीट

मसूरी नगर पालिका चुनाव मतदान के दौरान हंगामा हो गया। आरएन भार्गव इंटर कॉलेज के अतिसंवेदनशील वार्ड 6 के कक्ष संख्या 3 में दो पक्षों में मारपीट हो गई। फर्जी वोट को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान जमकर बवाल हुआ। पुलिस ने दोनों पक्षो को मतदान केंद्र से बाहर किया।

देहरादून के केसरवाला में लोगों ने किया मतदान का बहिष्कार

देहरादून के केसरवाला में विकास कार्य नहीं होने की वजह से लोगों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। लोगों का आरोप है कि शहर में पांच साल होने के बाद भी उनको शहरी सुविधाएं नहीं मिल सकी। केसरवाला की सड़कों की हालत खराब है। लेकिन नगर निगम ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया।

कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा दसौनी का नाम भी वोटर लिस्ट से गायब

कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा दसौनी और उनके परिवार के अन्य सदस्यों का नाम भी मतदाता सूची से गायब है। गरिमा का कहना है कि उनका और उनके परिवार का नाम वोटर लिस्ट में नहीं मिल रहा है। उन्होंने विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी वोटिंग की थी। लेकिन उनका नाम इस बार की निकाय चुनाव की सूची से गायब है।

हरीश रावत मतदान के प्रति कितने जागरूक ये साफ हो गया– महेंद्र भट्ट

पूर्व सीएम हरीश रावत के वोट कटने पर उनकी ओर से जारी बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि हरीश रावत मतदान के प्रति कितने जागरूक हैं।

इसका पता इससे लगता है कि वो वोटिंग के दिन ही अपने मत को ढूंढने निकले हैं। शायद हरीश रावत को पता ही नहीं है कि वो कहां के वोटर हैं। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि हरीश रावत कभी हरिद्वार तो कभी ऊधम सिंह नगर तो कभी अल्मोड़ा से चुनाव लड़ते हैं। हरीश रावत को तो यही नहींपता है कि वो ग्रामीण क्षेत्र के मतदाता है या फिर निकाय के। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने तंज कसते हुए कहा कि जब चुनाव के दिन हार होने लगती है तो आरोप के लिए कुछ रास्ते ढूंढ़े जाते हैं।

पूर्व सीएम हरीश रावत का वोट कटा

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत जब वोट डालने की तैयारी कर रहे थे तो पता चला कि उनका नाम मतदाता सूची में ही नहीं है। मीडिया से बातचीत में पूर्व सीएम रावत ने कहा कि उन्हें बड़ा धक्का लगा है। मैंने माजरा से लोकसभा चुनाव में वोट दिया था। यहां बीएलओ भी आया था। यहां भी किराए पर रहते हैं। पहले राजपुर में किराए पर रहता था लेकिन वोट माजरा में था। अब कहीं नहीं है। उन्होंने इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग में बात की तो जवाब मिला कि अभी सर्वर डाउन है। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि उन्हें गहरा दुख है। हजारों लोगों के नाम काट दिए गए।

मालदेवता क्षेत्र के केसर वाला में लोगों ने किया चुनाव बहिष्कार

देहरादून(आरएनएस)। उत्तराखंड नगर निकाय चुनाव 2025 में एक तरफ जहां राज्य निर्वाचन आयोग लोगों को ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील कर रहा है, तो वहीं कुछ इलाकों में लोगों ने चुनाव का बहिष्कार किया है। ऐसे ही एक मामला देहरादून नगर निगम के मालदेवता क्षेत्र के केसर वाला में लोगों ने चुनाव का बहिष्कार किया है। केसर वाला क्षेत्र से सामने आया है। यहां पर 400 करीब वोटर हैं, लेकिन उसमें से केवल एक–दो लोगों ने ही मतदान किया है। वो भी ऐसे लोग हैं जिन्होंने मतदान किया है जो कि अब यहां से बाहर रहते हैं। केवल मतदान करने यहां आए थे। स्थानीय लोगों की मानें तो इस इलाके में करीब 400 मतदाता हैं, लेकि न सुबह से केवल एक ही व्यक्ति ने वोट डाला है।

केजरीवाल को दिखाए काले झंडे, डुप्लिकेट नोट उड़ाए

नई दिल्ली । हरि नगर विधानसभा क्षेत्र में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के चुनाव प्रचार के बाद काले झंडे लहराए गए। रैली के बाद जब वह कार्यक्रम स्थल से बाहर निकले तो डुप्लिकेट नोट हवा में फेंके गए। हरि नगर से आप विधायक, राजकुमारी ढिल्लों, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में दिल्ली चुनाव 2025 लड़ रही हैं, हरिनगर निर्वाचन क्षेत्र में अपने प्रचार के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से टकरा गईं। अरविंद केजरीवाल सुरिंदर सेतिया के लिए प्रचार कर रहे थे, जिन्होंने हरि नगर विधायक राजकुमारी ढिल्लों की जगह ली है, जिन्हें पार्टी ने फिर से सीट से मैदान में उतारा है। प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ जी दिल्ली आए हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि यूपी में सरकारी स्कूलों की हालत कितनी खराब है, उनकी सरकार 10 साल से ज्यादा समय से है, वह सरकारी स्कूलों को ठीक नहीं कर पाए। अगर उन्हें जरूरत पड़ी तो हम दिल्ली से अपना शिक्षा मंत्री भेजेंगे। केजरीवाल ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश को सिखाएंगे कि सरकारी स्कूलों को कैसे ठीक किया जाए। भारतीय जनता पार्टी 20 राज्यों में सत्ता में है, उनके सभी 20 राज्यों में सरकारी स्कूलों की हालत खराब है। अगर बीजेपी कहेगी तो हम अपने शिक्षा मंत्री को बीजेपी वाले राज्यों में भेजेंगे। ताकि बीजेपी भी सीख ले और अपने राज्यों में सरकारी स्कूलों को दुरुस्त कर सके।

कपिल शर्मा,राजपाल यादव सहित चार कलाकारों को मिला धमकी भरा मेल

मुंबई। कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा और राजपाल यादव के अलावा चार कलाकारों को धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ है। कथित रूप से यह ईमेल पाकिस्तान से भेजा गया है। इन दोनों स्टार्स के अलावा सुगंधा मिश्रा और रेमो डिसूजा को भी धमकी मिली है। मुंबई के अंबोली थाने में इस सिलसिले में मुकदमा दर्ज किया गया है। फिलहाल कलाकारों की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है। मिल रही जानकारी के अनुसार एक्टर राजपाल यादव, कॉमेडियन कपिल शर्मा, सुगंधा मिश्रा और रेमो डिसूजा को मिले धमकी भरे ईमेल मिलने की बात सामने आ रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इन सितारों को ईमेल भेजने वाले ने धमकी दी है कि अगर आठ घंटे में इन सितारों की तरफ से जवाब नहीं आया तोवह एक्शन लेगा। रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला है कि धमकी भरा ईमेल पाकिस्तान से भेजा गया है। ईमेल में सिर्फ इन सितारों ही नहीं, बल्कि इनके करीबी और रिश्तेदारों को भी टारगेट किया गया है।

योगी की केजरीवाल को चुनौती, कैबिनेट के साथ यमुना में डुबकी लगाएं

नई दिल्ली । दिल्ली के चुनावी मैदान में अब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कूद गए हैं। उन्होंने गुरुवार को किराड़ी से भाजपा विधानसभा प्रत्याशी बजरंग शुक्ला के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। योगी ने आप सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि इन्होंने यमुना को गंदे नाले में बदल दिया। मेरी पूरी कैबिनेट में कुंभ में डुबकी लगाई। क्या केजरीवाल की कैबिनेट यमुना में स्नान कर सकती है? उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव के चलते आज मुझे यहां आने का अवसर मिला है, आज मुझे नजदीक से यहां की सड़कों को देखने का अवसर मिल रहा है। मैं कल ही प्रयागराज से लखनऊ आया हूं, इस सदी का पहला महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में भव्यता से हो रहा है। योगी ने कहा कि आप अनुमान करिए कि 13 जनवरी से पौष पूर्णिमा से आज तक इन 10 दिनों में 10 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी के संगम में पावन स्नान किया है। आप प्रयागराज में जाएंगे तो शानदार सड़कें मिलेंगी, कहीं गंदगी नजर नहीं आएगी और बिजली पूरे समय मिलेगी। सड़क से लेकर रेल तक और हवाई तीनों की बेहतरीन कनेक्टिविटी मिलेगी। अगर हम मुख्यमंत्री के रूप में और पूरी कैबिनेट के साथ संगम में स्नान कर सकते हैं, तो मैं केजरीवाल जी से पूछता हूं कि क्या वो और उनकी कैबिनेट यमुना जी में स्नान कर सकते हैं? केजरीवाल ने यमुना को गंदे नाले में तब्दील कर दिया है।

दिल्ली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, सड़क पर गड्ढा है या गड्ढे में सड़क है ये आज मैं खुद देख रहा हूं, ये छूट आपने एक व्यक्ति और उसके साथियों को क्यों दे दी है? दिल्ली में इतना कूड़ा हर जगह है कि पूरी राजधानी की दुर्गति हो गई है। आज हमारे वाहनों को यहां उसी सीवर के पानी से गुजरना पड़ा। आजकल अपने भाषणों में केजरीवाल बार बार यूपी की चर्चा कर रहे हैं, लेकिन उन्हें नहीं भूलना चाहिए कि आज यूपी पूरे देश में एक मॉडल के रूप में विकसित हुआ है। दिल्ली और नोएडा की सड़कों को स्वयं देखिए, दिल्ली और गाजियाबाद की सड़कों को देखिए, जमीन और आसमान का अंतर आपको स्वयं नजर आएगा। केजरीवाल ने अपने गुरु अन्ना हजारे को धोखा दिया, जो गुरु को धोखा दे सकता है वो जनता को भी धोखा देगा। दिल्ली में बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। आप झूठ बोलने की एटीएम मशीन है।

महाकुंभ में तैयारियां शानदार, हमें कोई दिक्कत नहीं : श्रद्धालु

महाकुंभ नगर ,महाकुंभ के 11वें दिन लाखों श्रद्धालुओं ने संगम नगरी में आस्था की डुबकी लगाई। ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी तट पर पहुंचकर पवित्र स्नान करते दिखे। कुछ श्रद्धालुओं ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में खुशी का इजहार किया।

श्रद्धालुओं का कहना है कि इस महाकुंभ में व्यवस्थाएं बेहद अच्छी हैं। सुरक्षा, साफ–सफाई और यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो रही है। श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इस आयोजन के लिए बेहतरीन व्यवस्थाएं की हैं। स्नान करने आए राजू यादव ने महाकुंभ की तैयारियों पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यहां पर सभी श्रद्धालुओं के लिए सरकार की तरफ से अच्छी व्यवस्था की गई है। किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी नहीं हो रही है। हम यहां ट्रेन से आए हैं। इस दौरान हमें किसी भी चीज की दिक्कत नहीं हुई। मेरे साथ 44 लोग हैं। किसी को भी कोई परेशानी नहीं हुई है। मोदी जी और योगी जी की कृपा ऐसी रही कि हमें कोई दिक्कत नहीं हुई। यहां पर साफ–सफाई अच्छी रही। वहीं सुरक्षा को लेकर सभी तैयारियां की गई हैं। श्रवण कुमार प्रजापति ने महाकुंभ में तैयारियों को लेकर सीएम योगी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यहां पर सभी श्रद्धालुओं के लिए बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है और इसमें सबसे बड़ा योगदान योगी सरकार का है। यह कहने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए कि इस सरकार ने जिस तरह की सुविधा कुंभ में श्रद्धालुओं के लिए की है, वैसे सुविधा कोई भी सरकार आने वाले दिनों में कभी नहीं कर पाएगी।

महेश सिंघानिया सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हैरान और संतुष्ट नजर आए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से महाकुंभ में शानदार तैयारी की गई है। चप्पे–चप्पे पर सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है, जो सभी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। नागेंद्र दीक्षित ने महाकुंभ क्षेत्र में मिल रही दैवीय अनुभव का जिक्रकिया। उन्होंने कहा कि यहां पर आकर हमें दैवीय अनुभव प्राप्त हो रहा है। मैं खुद को सौभाग्यशाली समझता हूं कि मुझे यहां पर आने का मौका मिला है। किसी भी श्रद्धालु को यहां कोई दिक्कत न हो, इसका प्रशासन की तरफ से विशेष ध्यान रखा गया है। अयोध्या से आई श्रद्धालु रुबी सिंह ने कहा कि मुझे यहां पर बहुत अच्छा लग रहा है। सुरक्षा की भी पूरी व्यवस्था की गई है।

पत्नी की हत्या कर टुकड़े कुकर में उबाले, हड्डियों को पीस कर झील में फेंका

हैदराबाद। हैदराबाद में एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद शव के टुकड़े–टुकड़े कर प्रेशर कुकर में उबाल कर डिस्ट्राय करने का पैतरा अपनाया। उसने अपनी पत्नी की लापता होने की अफवाह भी फैलाई। 45 वर्षीय आरोपी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता है। वह पूर्व सैनिक भी रह चुका है और उसका नाम गुरु मूर्ति बताया जा रहा है। पुलिस के सामने उसने अपना अपराध कबूल कर लिया है। पुलिस इंस्पेक्टर नागराजू ने कहा कि महिला के माता–पिता ने हमारे पास गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला का पति भी उनके साथ आया था। हमें शक हुआ और हमने उससे पूछताछ की। सख्ती से पूछताछ में उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। बताया गया कि कथित तौर पर आरोपी ने बाथरूम में अपनी पत्नी के शव के टुकड़े किए और उसके टुकड़ों को प्रेशर कुकर में उबाला। उसने हड्डियों को अलग किया, उन्हें मूसल से पीसकर फिर से उबाला। तीन दिनों तक कई बार मांस और हड्डियों को पकाने के बाद उसने कथित तौर पर उन्हें पैक करके झील में फेंक दिया।

रूस बोला- यूक्रेन के साथ सम्मानजनक समझौते को तैयार

मॉस्को । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद रूस से युद्ध खत्म करने को कहा है। रूस ने भी अब कह दिया है कि वह युद्ध खत्म करने को तैयार है, लेकिन कहा है कि यह बातचीत परस्पर सम्मान पर आधारित होनी चाहिए। उसकी मांग है कि बातचीत में इकतरफा फैसला न हो। गुरुवार को रूस ने ट्रंप को जवाब देते हुए कहा कि वह उनके साथ परस्पर सम्मानजनक संवाद के लिए तैयार है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव से जब पत्रकारों ने पुतिन की टिप्पणियों को लेकर पूछा तो उन्होंने कहा, में इसमें कुछ नया नहीं दिखाई देता है। ट्रंप की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, ह्यट्रंप के पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में साफ हो गया है कि उन्हें प्रतिबंध लगाने पसंद हैं। रूस उनके बयानों को गौर से देख रहा है। बुधवार को ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर पुतिन युद्ध खत्म करने पर सहमत नहीं होते तो वह मॉस्को पर और भी ज्यादा प्रतिबंध लगाएंगे।

उन्होंने कहा, ह्यअगर हम किसी डील पर नहीं पहुंचते, तो हमारे पास रूस की ओर से अमेरिका या अन्य देशों को बेची जाने वाली हर चीज पर हाई टैक्स और प्रतिबंध लगाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचेगा।ह्व हालांकि आगे उन्होंने कहा कि ह्यअमेरिका का इरादा रूस को नुकसान पहुंचाने का नहीं है और उनका राष्ट्रपति पुतिन से हमेशा अच्छा संबंध रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ह्यरूस की अर्थव्यवस्था विफल हो रही है। मैं राष्ट्रपति पुतिन पर बहुत बड़ा उपकार कर रहा हूं। अभी समझौता करें और इस मूर्खतापूर्ण युद्ध को खत्म करें। यह केवल और बदतर होता जाएगा।

रमेश बिधूड़ी ने आतिशी को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री और कालकाजी से आप उम्मीदवार आतिशी ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि निर्वाचन क्षेत्र में उनकी पार्टी के स्वयंसेवकों को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उत्पीड़न और धमकी का सामना करना पड़ा। उन्होंने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में 15 जनवरी के बाद से कालकाजी के विभिन्न हिस्सों में आप कार्यकर्ताओं को कथित तौर पर धमकाने की सात घटनाओं का हवाला दिया। आतिशी ने चुनाव आयोग से आप स्वयंसेवकों को कथित तौर पर डराने और परेशान करने के लिए बिधूड़ी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की मांग की। हालांकि, आतिशी के आरोपों पर बीजेपी उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि वह निराश है। आप के पास कोई कार्यकर्ता नहीं बचा है। पिछले 8 दिनों के अंदर आप के करीब 140 प्रमुख कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर होता कि वह मुद्दों से भटकाने के बजाय पिछले 5 साल में किए गए काम के बारे में बतातीं। उन्होंने कहा कि आप ने 2015 में लोगों को गुमराह किया, फिर 2020 में बीजेपी 50 से ज्यादा सीटें जीतने जा रही है। इतना ही नहीं, बिधूड़ी ने कहा कि फेक वीडियो बनाकर भाजपा कार्यकर्ताओं का बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसको लेकर मैने आयोग को पत्र लिखा है। आतिशी ने लिखा था कि अपने उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी और उनके सहयोगियों के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता निर्वाचन क्षेत्र में घूम–घूम कर खुलेआम आप कार्यकर्ताओं को गालियां दे रहे हैं और शारीरिक रूप से डरा रहे हैं। इस संबंध में मैंने आपको कल एक पत्र भी लिखा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मैं फिर से आपके ध्यान में ऐसी कुछ और घटनाएं लाने के लिए लिख रही हूं जो जमीनी स्तर पर हुई हैं, जैसा कि कल के पत्र के सार्वजनिक डोमेन में आने के बाद हमारे स्वयंसेवकों द्वारा बताया गया है।

दिल्ली में शीला दीक्षित मॉडल चाहती है जनता : राहुल

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली अब पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का वास्तविक विकास मॉडल चाहती है, न कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का झूठा प्रचार और पीआर मॉडल। गांधी ने फेसबुक पर महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए एक वीडियो असेंबल साझा किया। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने हिंदी में अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि खराब निर्माण, गंदगी, महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और भ्रष्टाचार – दिल्ली की सच्चाई जनता के सामने है। राहुल गांधी ने जोर देते हुए कहा कि दिल्ली अब मोदी और केजरीवाल का झूठा प्रचार और ढफ मॉडल नहीं – शीला दीक्षित जी का वही सच्चा विकास मॉडल मांग रही है। गांधी बुधवार को सदर बाजार विधानसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित नही कर सके क्योंकि वह अस्वस्थ थे और उन्होंने रैली में पढ़े गए एक संदेश के माध्यम से लोगों से चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की अपील की।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर गृह मंत्रालय सख्त

डीजीपी और मुख्य सचिव को जारी किये दिशा निर्देश

नई दिल्ली , केंद्रीय गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और डीजीपी को लिखित निर्देश जारी करते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। इससे पहले शिवसेना के नेता और पूर्व सांसद राहुल शेवाले ने घुसपैठियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी। बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिए जाने के बाद राहुल शेवाले ने गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (टीआईएसएस) के विशेष सर्वेक्षण के अनुसार, देश में बांग्लादेश और म्यांमार से हर साल अवैध तरीके से बड़ी तादाद में घुसपैठिए आते हैं। इस गंभीर विषय की ओर ध्यान देकर इन घुसपैठियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग मैंने गृह मंत्री अमित शाह से की थी। मेरे इस आवेदन को ध्यान में रखते हुए इस विषय में उचित सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश गृह मंत्रालय की ओर से दिए गए। मैं गृह मंत्रालय और गृहमंत्री अमित शाह के प्रति आभार प्रकट करता हूं। वहीं, महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। इस संबंध में राज्य के सभी संभागीय आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को पत्र भेजा गया है। यह एसआईटी महाराष्ट्र भाजपा उपाध्यक्ष किरीट सोमैया द्वारा दी गई शिकायत और साक्ष्य के आधार पर गठित की गई है। वहीं, शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने देश में अवैध प्रवासियों के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जिम्मेदार ठहराया। इस मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया कि लगातार तीन बार सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा अवैध प्रवासियों को रोकने में विफल रही है।

सम्पादकीय

मतदान से वंचित

उत्तराखंड निकाय चुनाव को लेकर मतदान प्रक्रिया संपर्क हो चुकी है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान शुरुआती दौर में हल्का मतदान देखने को मिला जो कि बाद में थोड़ा तेज हुआ लेकिन सबसे बड़ी परेशानी इस निकाय चुनाव में मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से नदारद होने के रूप में देखने को मिली। प्रदेश भर में ऐसे कई प्रकरण देखने को मिले जिसमें मतदाताओं ने अपने नाम वोटर लिस्ट से गायब होने का दावा किया जबकि यह वही वोटर हैं जिन्होंने हाल ही में लोकसभा चुनाव में भी मतदान किया था। राजधानी देहरादून में तो पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का नाम ही वोटर लिस्ट से गायब होने की अफवाह उड़ गई जो कि बाद में गलत साबित हुई। निश्चित तौर पर इस बार वोटर लिस्ट बनाने में व्यापक लापरवाही देखने को मिली है क्योंकि बड़ी संख्या में परिवार के परिवार वोटर लिस्ट से गायब हैं। प्रत्याशियों द्वारा इस पर गहरी नाराजगी जताई गई है तो वहीं चुनाव आयोग के काम करने के तरीके को लेकर भी अब कहीं ना कहीं सवाल खड़े होने लगे हैं। किसी भी स्तर का चुनाव हो यह निश्चित होना चाहिए कि सभी लोगों के नाम वोटर लिस्ट में शामिल हो और यदि किन्हीं कारण बस नाम छूट गए हो तो मतदान स्थल पर ही ऐसी व्यवस्था हो जिसमें वैध परिचय पत्र के आधार पर मतदान का मौका दिया जाए। यह वाकई में चिंता का विषय है कि जिन मतदाताओं द्वारा विधानसभा एवं लोकसभा में वोट दिए गए उन्हीं के नाम ही निकाय चुनाव में मतदाता सूची से गायब हो गए। क्या यह पूर्वज हुआ या फिर जानबूझकर ऐसा किया गया? यह कोई सामान्य बात नहीं है और इसकी जांच होनी चाहिए। निर्वाचन सूची तैयार करने वालों को जांच के दायरे में रखा जाना चाहिए, यह पता लगाना बेहद जरूरी है की पूर्व के विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में नाम होने के बावजूद निकाय चुनाव की वोटर लिस्ट से मतदाताओं के नाम गायब कैसे हो गए? 18 वर्ष से ऊपर के सभी नागरिकों को मतदान का अधिकार है खासतौर से ऐसे मतदाता जो पहले भी मतदान का प्रयोग कर चुके हैं, उनका नाम नदारत होना एक गंभीर बात है। आश्चर्य है कि चुनाव प्रक्रिया में आधुनिक संसाधनों के बावजूद भी एक व्यापक पारदर्शी एवं परिपूर्ण मतदाता सूची किसी भी स्तर के चुनाव में उपलब्ध नहीं हो पाती है। इस दिशा में सरकार एवं निर्वाचन आयोग को व्यापक होमवर्क करने की जरूरत है और प्रत्येक वर्ष मतदाता सूची को संशोधित करना भी आवश्यक है। वहीं दूसरी ओर प्रत्येक मतदाता को भी निर्वाचन सूची में अपने नाम की स्थिति के बारे में समय–समय पर जानकारी लेटी रहनी चाहिए ताकि यदि मतदाता सूची में जानबूझकर किसी प्रकार की गड़बड़ी करने की कोशिश की जा रही हो तो ऐसे प्रयास सफल न होने पाए।

राष्ट्रीयता के लिए जाति और धर्म के तिलिस्म को समझना जरूरी

लेखकः— मनवर लाल भारती
प्रधानाचार्य इंटर कॉलेज पोखरी अजमेर

हम हर साल राष्ट्रीय पर्वों पर विकसित राष्ट्र का सुनहरा सपना देखना चाहते हैं और इस अमृत वर्ष में तो एक सुनहरे गणतंत्र दिवस की पावन बेला पर हम सभी पुनः जिस एक विकसित राष्ट्र का सपना देख रहे हैं, जिसमें देश के हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हमारे पास एक अच्छी शिक्षा के साथ राष्ट्रीयता का भाव हर घर की दहलीज तक दस्तक देने वाली होनी चाहिए। किसी भी राष्ट्र की अच्छी शिक्षा और एक जैसी शिक्षा कुशल नागरिकों को जन्म देती है, परंतु हमारे राष्ट्र में प्रचंड दोहरी शिक्षा का मानदंड और समाज में व्याप्त जातीय संकीर्णताएं, रूढ़िवादी व अंधविश्वासी अवधारणाओं के साथ-साथ धार्मिक अलगावों से कब मुक्ति मिलेगी यह गंभीर चिंतन का विषय है। हम वर्तमान में जिस शिक्षित कहे जाने वाले समाज पर यह विश्वास कर बैठे हैं कि वह इन सारी समस्याओं से मुक्ति दिला कर राष्ट्रीयता के लिए भाई चारे का हाथ आगे बढ़ाएंगे परन्तु ऐसा नहीं दिखाई देना चिंता का विषय बनता जा रहा है। कई बार मन में प्रश्न उठता है कि जिस देश दुनिया के समाज में हम जी रहे हैं क्या वह समाज पहले से ही ऐसी अभेद्य जातीय और धार्मिक संकीर्णताओं की दीवारों का निर्माण करता रहा होगा? तब उत्तर मिलता है कि मनुष्य की जीने की प्रचंड जिजीविषा ने हमेशा से श्रेष्ठता पर जीने की विजय लालसा से प्राणी जगत को अपना गुलाम बनाने की अवधारणा को जन्म देकर मनुष्य समाज में कई प्रकार की संकीर्णताओं को जन्म दे डाला है।

हम आज जिस राष्ट्र समाज में जी रहे हैं यदि एक प्रबुद्ध व्यक्ति से पूछा जाए कि आप उन्मुक्त भाव से उत्तर दें कि आप इस राष्ट्र समाज में जो भी सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिदृश्य घटित होते देख रहे हैं क्या आप उनसे संतुष्ट हैं अथवा असंतुष्ट? फिर वह कुछ क्षण के लिए चुप रहेंगे और अनमने ढंग से अपनी बात को टाल देना चाहेंगे। वे कहना तो चाहते हैं, लेकिन अभी तक हमारे भारतीय समाज में सच बोलने की ताकत का संकुचन है, क्योंकि सच बोलने की ताकत के लिए जिगर चाहिए जो एक अच्छी और सच्ची शिक्षा से ही प्राप्त होती है, फिर यह अत्यंत कटु सत्य है कि हमारे बीच कोई जाति बंधनों से जकड़ा हुआ है, कोई धर्म की बाध्यता से अपना अस्तित्व नहीं खोना चाहते हैं और कोई मोह माया की मृगतृष्णा में लिप्त बुरा नहीं बनना चाहते हैं। इसी से राष्ट्रीयता और राष्ट्र को पुनर्जीवित करने की हमारी यह कल्पना हमेशा से यहां की नई पीढ़ी के लिए एक कोरा सपना जैसा बनता रहा है। कितनी विचित्र विडंबना है कि हमारे लोकतंत्र के राजमहल में जाने का मार्ग जाति, धर्म और संप्रदाय के फैसले पर अब निर्भर होता जा रहा है और फिर उस राजमहल में क्या-क्या तय होता है यह सब जानते हैं।

इस पर देश की जनता जिसे प्रश्न पूछने का पूरा-पूरा हक होता है, क्योंकि वह जनता जनार्दन होती है वे आक्रोशित हो कर भी कह सकती है कि यह देश के भीतर क्या हो रहा है, परंतु वह तो मूक अवस्था में ही देखी जाती रही है। इसका प्रमुख कारण हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था में अभी तक एक सजग नागरिक को जन्म देने वाली शिक्षा की कमी रही है, जो इन संकीर्णताओं को तोड़कर समाज में समता और प्रेम बंधुत्व की बुनियाद पर लोकतंत्र के महल को हिलने से रोक सके। जब कोई राष्ट्र ऐसी कहानी बन जाता है जहां जन भावनाओं और जन आकांक्षाओं के साथ प्रति 5 वर्ष के लिए मुंगेरी लाल के हसीन सपने दिखाकर जनता को उनके भाग्य विधाता पर छोड़ दिया जाता हो, तब हम किस विकसित राष्ट्र की बात कर रहे होते हैं। यहां जब भी सर्वजन बहुजन हिताय की योजनाएं बनाई जाती हैं तो वहां अनेक मध्यस्थ होते हैं जो इन योजनाबद्ध कार्यों की मानदंड निर्धारित करते हैं। वे मानदंड निर्धारित करने वाले शातिर भारत की पटकथा लिखने जैसा काम कर रहे होते हैं। हम इसी कारण हजारों वर्षों से गुलामी में कुशल प्रतिनिधित्व के लिए तरस रहे होते हैं। वर्तमान भारत में किसी भी जाति और धर्म पर उठे विवादों की सहमति और असहमति का नाटकीय करण अपनी चरम सीमा पर है जो जटिल समस्याओं को बल देती जा रही है, ऐसी दयनीय स्थिति में कोई भी राष्ट्रहित में झुकने को तैयार नहीं रहते है, बल्कि विवादों का अत्यधिक उत्पन्न होना देखा जाता है। इसके मूल में क्या कारण हो सकते हैं यह समझना जनता का काम था परन्तु अधिकांश भोली-भाली जनता यह समझने के योग्य नहीं है इस पर यदि देश की जनता को समझाने वाला प्रतिनिधित्व मिल जाता तो संभव था कि जाति और धर्म से शोषित और वंचित समुदाय राष्ट्रीयता की मुख्य धारा में सम्मिलित होकर पुनः अपना काम करना शुरू कर देता परंतु यह कार्य ऐसा लगता है जैसे यह राष्ट्र समाज के भाग्य में नहीं है। हम आज भी राष्ट्र के भीतर उस जातीय घृणा और सांप्रदायिकता के द्वंद्व युद्ध की आग को बुझा नहीं पा रहे हैं इसी कारण धार्मिक कट्टरता और जातीय संकीर्णताएं समय-समय पर अपने नासूर जैसा रूप दिखा ही देते हैं।

जब संपूर्ण विश्व में वैश्वीकरण के इस महायुग में उदारवादी विचारधारा फल फूल रही हो और हम जाति और धर्म के प्रति उदारवादी न बन पा रहे हैं तथा जाति व धर्म कट्टरता वाली ज्वाला में हम अपनी नई पीढ़ी को धकेल रहे हों तो फिर किसी को भी क्या कहा जा सकता हैं। आज पूरे विश्व में अधिसंख्य देश परिवर्तन के इस महादौर में अपने आप को बदल कर नए तौर तरीके से समृद्ध होते जा रहे हैं और कुछ अभागे देश धार्मिक कट्टरता की ज्वाला में राष्ट्र की नई पीढ़ी का सत्यानाश कर रहे हैं। हम पूछ सकते हैं कि अपने राष्ट्र में परिवर्तन के आकार और विस्तार में बौद्धिक वर्ग अपना प्रतिनिधित्व क्यों नहीं निभा रहे हैं जिनका वह हकदार है क्यों बौद्धिक वर्ग चुप्पी साधे हुए है। मुझे कई बार अपने बौद्धिक वर्ग के बीच उन्हें सुनने का मौका मिलता रहता है, उनमें कुछ मान्यता के आधार पर (शैक्षिक योग्यता) बौद्धिक वर्ग की श्रेणी में आंके जाते हैं, कुछ अपनी जातीय और धर्म के मायाजाल में लिप्त रहते हैं, बहुत ही कम लोगों में दार्शनिकता के साथ मानव समाज में आ रही असहिष्णुता के लिए चिंतन करते देखा जाता है। तब ऐसी दशा में किस बौद्धिक वर्ग पर भरोसा किया जाए और कहा जाय कि विश्व के इस बड़े पवित्र लोकतंत्रिक देश के लिए जातीय संकीर्णताएं और धार्मिक कट्टरता उचित नहीं है।

राष्ट्र का प्रबुद्ध वर्ग शिक्षक समाज को माना जाता है जो राष्ट्र निर्माता की संज्ञा से विभूषित है परंतु शिक्षा जगत का बाजारीकरण क्यों हुआ इस यक्ष प्रश्न का उत्तर आज का शिक्षक समाज नहीं दे पा रहा है। हैरानी इस बात की है कि जिस बाजार की बंद गलियों और बंद कमरों में नयी पीढ़ी के बच्चों को तोता बनाया जाता है वह प्रकृति के आंगन में ली जाने वाली शिक्षा से बहुत दूर हैं। उनका खान-पान, बोली-भाषा, रहन-सहन, चाल-चलन इत्यादि सब रेडीमेड है, वे ग्रामीण समाज और यहां के प्राकृतिक वातावरण से बहुत दूर हैं यहां की शिक्षा जो आत्मा को छूने वाली शिक्षा होती है। आज इस शिक्षा का ह्रास और बाजारी शिक्षा का बोलबाला अपनी चरम पर होना हमारी नई पीढ़ी के लिए खतरा है, जबकि इस महा वैज्ञानिकता के प्रचंड युग में डिजिटल माध्यम से घर बैठे-बैठे हम बहुत कुछ सीख कर देश को समृद्ध बना सकते हैं। परंतु अभी तक इस तरह की गतिविधियां समाज में बहुत कम देखने को मिल रही हैं। राष्ट्र ने वैश्वीकरण के इस महायुग में शहरों के आकार और विस्तार में आवागमन की सुलभ सुविधाओं से सजे-धजे चकाचौंध वाले बाजार जो वर्तमान शब्दावली से विभूषित मॉल के रुप में जाना जाता है जिसका अर्थ शॉपिंग सेंटर या बड़ा खुदरा परिसर कहते हैं जहां किसी भी वस्तु के क्रय करने पर ग्राहक द्वारा मोल भाव की बहस न करके सीधे ऑनलाइन कीमत चुकानी पड़ती है। इन बड़े-बड़े शहरों में बड़े-बड़े मॉलों की संस्कृति अब छोटे-छोटे शहरों में अपना अपना पांव पसार चुकी है।

राष्ट्र समाज की वर्तमान शहरी सभ्यता और संस्कृति की इस महाभीड़ में नैतिकता का जो पतन देखा जा रहा है इससे ऐसा लगता है कि मनुष्य की आत्मा अब स्वार्थ और लालच के आवरण से ढक चुकी है अब इस निगोड़ी शहरी दुनिया में राष्ट्रीय गीतों की ध्वनि हमारी आत्मा तक नहीं पहुंच पा रही है। यद्यपि हमारी पीढ़ी के पास अद्भुत बौद्धिक क्षमता है परंतु इस शहरी सभ्यता ने उन्हें रोजगार के लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं की इस महाभीड़ में उन्हें कई तरह से जज्बाती बना दिया है। इस भीड़ में उनका अब अपनों के प्रति लगाव हटता सा जा रहा है। हमें शहरों की इस महाभीड़ में माता-पिता को ग्वाला की तरह अपना समय बिताते हुए मजबूर दशा में देखा जाता है या वृद्ध आश्रमों की ओर मुड़ते देखा जाता है, जबकि हमारे ग्रामीण भारत का दृश्य आज भी दया धर्म और मानव सेवा के रूप में जस का तस देखा जाता है। वर्तमान भारत में धर्म के प्रति जो कट्टरता देखी जा रही है, जिसमें कटने और मरने के कटु वचन हर रोज देखने और सुनने को सोशल मीडिया पर मिलते हैं वह देश के लिए सबसे खतरनाक स्थिति पैदा करते जा रहा है। इस पर हमारी सरकारें मूक अवस्था में सहमति और असहमति की जांच पड़ताल करके टीवी चैनलों पर ऐसी बहस करवा देती है कि जैसे यही सच हो, जबकि कट्टरवादी मन ही मन हर्षित होकर समय-समय पर जैसे राहत की सांस ले रहे होते हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा की राष्ट्र की संप्रभुता भाईचारा और राष्ट्रीय अखंडता को कितना नुकसान पहुंचता होगा इसकी चिंता करना हम सब लोगों का परम् कर्तव्य होना चाहिए। देश के हर नागरिक को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों के अनुसार जीने का स्वतंत्र अधिकार है फिर वे कौन सी आसुरी ताकतें हैं जो समय-समय पर अपनी दमनकारी नीतियों से राष्ट्र समाज में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न करके जाति धर्म और संप्रदाय में असहिष्णुता फैलाने में तल्लीन रहते हैं। हम इतनी सदियों के बाद भी उन महान व्यक्तियों के उत्तम चरित्र का अनुसरण नहीं कर पा सके, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन इस रूप में खपा दिया है कि अपना राष्ट्र समता भाईचारा और प्रेम बंधुत्व से उन्नति के एक जैसे मार्ग अग्रसर हो। हमारे लिए वे महान ऐतिहासिक पुरुष अमर हो गए, लेकिन हमने उनके जीवन से अब शिक्षा लेना शायद बन्द जैसा कर दिया इसी लिए हम राष्ट्र की उन्नति के लिए उठ तो रहे हैं, पर फिर गिर गिर संभलने की कोशिश में अपना लम्बा इन्तज़ार करते करते थक जैसे गये हैं।

स्वदेशी जलयान निर्माण में भारत की अद्वितीय प्रगति

डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्र

हिन्द महासागर में चालाक चीन की चुनौती का जवाब देने और शक्तिशाली 'ब्लू वाटर नेवी' बनने की दिशा में भारतीय नौसेना न केवल आत्मनिर्भरता के साथ आधुनिकीकरण की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, बल्कि जलयानों की संख्या में भारी वृद्धि करने का निर्णय लिया है।

यही कारण कि आज अग्रिम पंक्ति के दो अत्याधुनिक युद्धपोत नीलगिरि और सूरत के साथ ही वाग्शीर नामक एक सशक्त पनडुब्बी नौ सेना के बाड़े में शामिल हो रही है। भारतीय नौ सेना के इतिहास में पहली बार एक साथ दो युद्धपोत एवं एक पनडुब्बी को साथ शामिल किया जा रहा है। उनके शामिल हो जाने से भारतीय नौ सेना की परिचालन क्षमता एवं युद्ध तत्परता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नीलगिरि प्रोजेक्ट, 17 ए. स्टील्थ फ्रिगेट का पहला युद्धक जलयान है जो, सेवा में सक्रिय शिवालिक श्रेणी 1 प्रोजेक्ट 17 स्टील्थ फ्रिगेट का पहला जलयान है, जो सेवा में सक्रिय शिवालिक श्रेणी (प्रोजेक्ट 17) फ्रिगेट का अनुवर्ती है। नीलगिरि एम डी एल, मुम्बई और जीआरएस ई, कोलकाता द्वारा निर्माणाधीन सात पी 17 ए फ्रिगेट्स में पहला है। ये बहुउद्देशीयीय युद्धपोत भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारम्परिक तथा गैरपारम्परिक दोनों प्रकार के संकट से निपटने के लिए 'गहरे समुद्री' वातावरण में कार्य करने में सक्षम है।

नवीनतम तकनीकी से युक्त इन जलयानों का निर्माण भी 'एकीकृत निर्माण' दर्शन का उपयोग करके किया गया है। यह जलयान संयुक्त रूप से डीजल या गैस (सीओडीओजी) मेन प्रोपल्शन द्वारा संचालित होता है। इसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, 76 मिमी. उन्नत तोप और तीव्रगति प्रहारक नजदीकी हथियार पण्प्रालियों से सुसज्जित है। आत्मनिर्भरता के साथ राष्ट्र निर्माण को विशेष रूप से दृष्टि में रखते हुए इस जलयान में 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है।

नीलगिरि के निर्माण कार्य की आधारशिला 28 दिसम्बर 2017 को रखी गई और निर्मित इस पोत को पहली बार 28 सितम्बर 2019 को समुद्र में उतारा गया। यह जलपोत 24 अगस्त को अपने पहले समुद्री परीक्षण के लिए रवाना किया गया और तब से बंदरगाह व समुद्र में इसके व्यापक परीक्षण किए गए हैं। अब इसे भारतीय नौ सेना को सौंप दिया गया है। स्टील्थ तकनीक युक्त यह जलपोत कई प्रकार के हेलीकॉप्टर संचालित करने की क्षमता के साथ अत्याधुनिक हथियार और सेंसरयुक्त है। 'सूरत' जलपोत गाइडेड मिसाइल युक्त विध्वंसक जंगी जलपोत भी भारतीय नौ सेना को मिलने जा रहा है। विशाखापट्टनम क्लास मिसाइल विध्वंसक जलयान के नौ सेना में शामिल होने से भारत की समुद्री शक्ति और अधिक बढ़ जाएगी, क्योंकि इसके साथ बराक और ब्रहमोस मिसाइलें लगी हुई हैं।

सूरत प्रोजेक्ट 15 की स्टील्थ गाइड-ड मिसाइल विध्वंसक श्रेणी का चौथा और अंतिम जलपोत है, जो विगत तीन वषों में शामिल किए गए अपने पूर्ववर्ती भारतीय नौ सेना के जलयानों विशाखापट्टनम, मोरमुगाओ तथा इम्फाल के बाद आया है। यार्ड 12707 सूरत को भारतीय नौ सेना को सौंपा जाना, उस प्रतिष्ठित स्वदेशी विध्वसंक निर्माण परियोजना का समाधन है, जो प्रोजेक्ट 15 (तीन दिल्ली श्रेणी) के साथ शुरू हुई थी। यह 7400 टन भार विस्थापित करने वाला तथा 164 मीटर लम्बा व एक निर्देशित मिसाइल युक्त विध्वसंक श्रेणी का जलपोत है। नौ सेना के विवसंक पोत 'सूरत' में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, जलयान रोधी मिसाइलों तथा तारपीडो सहित अत्याधुनिक हथियारों व सेंसरों से सुसज्जित है।

यह स्वदेशी रूप से विकसित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस समाधान का उपयोग करने वाला भारतीय नौ सेना का पहला एआई सक्षम युद्धपोत होगा। यह जलपोत समुद्र के भीतर युद्ध करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित पनडुब्बी रोधी हथियारों और सेंसर से लैस है। वाग्शीर कलवरी क्लास प्रोजेक्ट–75 के अंतर्गत छठी स्कार्पीन क्लास पनडुब्बी दुनिया की सबसे शांत एवं बहुमुखी डीजल इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में से एक है इसे एंटी सरफेस वारफेयर, एंटी सबमरीन वारफेयर, खुफिया जानकारी जुटाने, क्षेत्र की निगरानी और विशेष अभियानों सहित अनेक तरह के मिशन को अंजाम देने के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। भारत की ब्लू वाटर नौसेना समुद्री मोर्चे पर शांति स्थापित करने में अपना अनवरत सक्रिय सहयोग देती रही है। वर्तमान भू–राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए भारतीय नौसेना को निरंतर सजग एवं सतर्क रहने की जरूरत है। स्वदेशीकरण और नवाचार के प्रति भारतीय नौसेना का दृष्टिकोण सकारात्मक सिद्ध हो रहा है। युद्धक पोत 'नीलगिरि', विध्वसंक पोत 'सूरत' और 'पनडुब्बी वाग्शीर' का संयुक्त कमीशन रक्षा आत्मनिर्भरता और स्वदेशी जलयान निर्माण में भारत की अद्वितीय प्रगति का ही प्रतीक है। हिन्द महासागर क्षेत्र में अपनी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक भारतीय नौसेना का तेजी के साथ नवीनीकरण हो रहा है।

छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक आउट, महारानी येशूभाई बन छाईं साउथ हसीना

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर पीरियड ड्रामा फिल्म छावा की रिलीज डेट नजदीक आ रही है. बीते दिन फिल्म छावा से विक्की कौशल के फिल्म से तरह तरह के लुक का एक मोशन पोस्टर शेयर किया गया था. फिल्म छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक सामने आया है. छावा के मेकर्स मडोक फिल्म्स ने आज रश्मिका मंदाना के अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फर्स्ट लुके पोस्टर शेयर किए हैं. मडोक फिल्म्स ने दो पोस्टर्स शेयर किए हैं, जिसमें रश्मिका येसूबाई भोसले के रोल में दिख रही हैं. रश्मिका मंदाना फिल्म छावा में छत्रपती संभाजी महाराज के पत्नी के रोल में होंगी, यह रोल विक्की कौशल निभा रहे हैं. वहीं, येसूबाई भोसले में रश्मिका के लुक की बात करें तो वह पूरे श्रृंगार के साथ इसमें दिख रही हैं. पहले तस्वीर में रश्मिका मंदाना मराठी रीति–रिवाज में पहनी जाने वाली साड़ी और हार–श्रृंगार में मुस्कुराती हुई दिख रही हैं.

वेस्टर्न आउटफिट में छाया प्रज्ञा जैसवाल का बोल्ड अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने फैशन च्वॉइस को लेकर फैंस के बीच चर्चाओं में रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज सोशल मीडिया पर पोस्ट होती ही इंटरनेट का तापमान बढ़ा देता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही सेक्सी अंदाज में फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। अपनी फिटनेस और कातिल अदाओं से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचने वाली एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल इन दिनों अपनी हॉटनेस से फैंस को दीवाना बना रही हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाता रहता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं प्रज्ञा जैसवाल ने सेटिन लुक में रिवीलिंग ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट लग रही हैं। खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके इस लुक को देखकर फैंस एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

आरसीबी को आईपीएल 2025 से पहले बड़ा झटका, 23 करोड़ की तिकड़ी रही फ्लॉप

नईदिल्ली, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, आईपीएल की एक ऐसी टीम है जो अब तक कभी चैंपियन नहीं बन पाई. टीम ने कई बार फाइनल में जगह बनाई, लेकिन हर बार हार का सामना करना पड़ा. पिछले सीजन में पहले सात मैचों में टीम का प्रदर्शन बहुत खराब था, लेकिन फिर उन्होंने जोरदार वापसी की और प्लेऑफ में जगह बनाई. हालांकि, एलिमिनेटर में हार गई. अब नए सीजन से पहले आरसीबी ने अपनी टीम को और मजबूत करने की पूरी कोशिश की है. लेकिन भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टी–20 मैच के बाद आरसीबी के फैंस को एक बड़ा झटका लगा. इस मैच में आरसीबी ने इंग्लैंड के तीन खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाया था और उन्हें खरीदने के लिए बहुत पैसा खर्च किया था. इन तीन खिलाड़ियों में फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन और जैकब बेथेल थे. आरसीबी ने इन तीनों को खरीदने के लिए कुल 23 करोड़ रुपये खर्च किए थे. लेकिन जब भारत के खिलाफ पहला टी–20 मैच हुआ, तो ये तीनों खिलाड़ी बिल्कुल फ्लॉप हो गए.आरसीबी ने फिल साल्ट को 11.50 करोड़ रुपये में खरीदा था. पिछले सीजन में साल्ट ने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए शानदार खेल दिखाया था. उन्होंने 12 मैचों में लगभग 40 की औसत और 182 की स्ट्राइक रेट के साथ 435 रन बनाए थे. लेकिन भारत के खिलाफ पहले टी–20 मैच में वह कुछ खास नहीं कर पाए और दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके. इस वजह से आरसीबी के फैंस को काफी निराशा हुई. लियाम लिविंगस्टोन को आरसीबी ने 8.75 करोड़ रुपये में खरीदा था. वह पिछले सीजन में पंजाब किंग्स के लिए संघर्ष कर रहे थे और इस बार भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा. इसके अलावा, इंग्लैंड के युवा खिलाड़ी जैकब बेथेल को आरसीबी ने 2.60 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन वह भी भारत के खिलाफ पहले टी–20 मैच में फ्लॉप रहे.

मंडे टेस्ट में इमरजेंसी और आजाद फेल, फतेह— गेम चेंजर का भी बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल

सिनेमाघरों में हाल ही में इमरजेंसी और आजाद ने दस्तक दी है। हालांकि, दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कारोबार नहीं कर सकी हैं। इसके अलावा जनवरी में ही रिलीज हुई गेम चेंजर और फतेह भी दर्शकों के दिलों में कुछ खास जगह नहीं बना सकीं। आइए जानते हैं कि सोमवार को किस फिल्म का कैसा हाल रहा।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी इंदिरा गांधी के भारत में लगाए गए आपातकाल पर आधारित है। इस फिल्म का निर्देशन भी कंगना ने खुद ही किया है। फिल्म लंबे समय से अपने विषय की वजह से विवादों में रही। हालांकि, सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद रिलीज हुई यह फिल्म दर्शकों पर कुछ खास असर छोड़ती नहीं दिख रही। सोमवार को इम्तिहान में इमरजेंसी पूरी तरह फेल नजर आई। चौथे दिन इस फिल्म ने एक करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 11.35 करोड़ रुपये हो गई है।

महिला एचआईएलः सूरमा हॉकी क्लब फाइनल से एक कदम दूर

रांची, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब महिला हॉकी इंडिया लीग 2024–25 के फाइनल में पहुंचने से एक कदम दूर है। फाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें शुक्रवार को रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के खिलाफ कम से कम एक अंक हासिल करना होगा। मुख्य कोच जूड मेनेजेस ने मैच से पहले कहा,इस पूरे अभियान के लिए हमारा दृष्टिकोण यह रहा है कि हम हर मैच जीतना चाहते हैं। इसलिए, हम अब केवल श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के खिलाफ मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह इस स्तर पर हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण मैच है, इसलिए हम एक–एक कदम आगे बढ़ा रहे हैं और उस मैच के बाद, हम आगे देखते हैं कि हमें क्या करना है। हमें अभी भी अगले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना है। सूरमा लीग में शानदार प्रदर्शन कर रही है। वे पूल चरण में अंतिम मैच से पहले 10 अंक अर्जित करने के लिए तीन जीत और एक ड्रॉ हासिल करके तालिका में शीर्ष पर हैं।

मुझे कप्तान और कोच ने खुलकर खेलने की आजादी दी : अभिषेक

कोलकाता, भारत के टी20 सलामी बल्लेबाज़ अभिषेक शर्मा के लिए पिछले एक–दो साल बहुत शानदार रहे हैं और उन्होंने आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की की है। कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ़ पहले टी20 मैच में भी उन्होंने 34 गेंदों में 79 रनों की पारी खेली, जिसमें पांच चौके और आठ गगनचुंबी छक्के शामिल थे। हालांकि इस दौरान अपने 12 में से आठ टी20 पारियों में वह 20 से कम के स्कोर पर आउट हुए हैं। भारत के पास सलामी बल्लेबाज़ों के कई विकल्प भी है, लेकिन 24–वर्षीय अभिषेक पर जगह खोने का लगातार दबाव भी रहता होगा। हालांकि अभिषेक ने इससे इनकार किया है। उन्होंने बताया कि उनके कोच और कप्तान ने कहा है कि वह कभी भी अपने खेल की शैली को नहीं बदले, जिससे उन्हें खुलकर फ़ीयरलेस क्रिकेट खेलने की आज़ादी मिली है। अभिषेक ने मैच के बाद हुए प्रेस कॉन्फ़्रेंस में कहा, मैं हमेशा से एक टीम प्लेयर हूं और यह भी जानता हूं कि भारत में हमेशा टीम चयन की प्रतिस्पर्धा रहती है। लेकिन जब मेरे कोच और कप्तान ने मुझसे हमेशा अपना इंटेंट बनाए रखने को कहा, वह मेरे लिए एक बड़ा पल था। एक बल्लेबाज़ के रूप में जब आप तीन–चार पारियों में रन नहीं बना पाते हैं तो आपके दिमाग़ में ये बातें चलती हैं।

छोटी सरकार बनाने को दिखा उत्साह, मतपेटियों में बंद हुआ प्रत्याशियों का भाग्य

कोटद्वार में मतदान के लिए बूथ के बाहर खड़े मतदाता

कोटद्वार में मतदान करने के बाद स्याही लगी उंगली दिखाते भाजपा प्रत्याशी शैलेंद्र रावत

कोटद्वार में मतदान करने के बाद स्याही लगी उंगली दिखाती कांग्रेस प्रत्याशी रंजना रावत

कोटद्वार में मतदान करने के बाद स्याही लगी उंगली दिखाती विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण

कोटद्वार में मतदान करने के बाद स्याही लगी उंगली दिखाते पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी व निवर्तमान महापौर हेमलता नेगी

एक नजर

नैनीताल जिले में शाम चार बजे तक 55 .03 फीसदी मतदान

हल्द्वानी। जिले के सात निकायों के लिए गुरुवार को हुए मतदान में शाम चार बजे तक 55.03 फीसदी लोगों ने वोटिंग की। इसमें सबसे ज्यादा लालकुआं नगर पंचायत में 68.01 फीसदी लोगों ने मतदान किया। नगर पालिका नैनीताल में सबसे कम 44 .17 फीसदी लोगों ने वोट दिए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव चरण द्विवेद्वी ने बताया कि हल्द्वानी नगर निगम के लिए शाम चार बजे तक 51.21, नगर पालिका रामनगर के लिए 51.98, भवाली के लिए 55.78, भीमताल के लिए 56.02, कालाढूंगी पालिका के लिए 58.05 फीसदी वोटिंग हुई। हालांकि हल्द्वानी के 10 से ज्यादा बूथों में शाम पांच बजे के बाद भी मतदाताओं की कतार लगी रही। कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, डीएम वंदना, एसएसपी पीएन मीणा ने बूथों का जायजा लिया। जिले के सात निकायों में 343824 मतदाता एवं 402 मतदेय स्थल बनाए गए थे। वहीं 52 संवेदनशील एवं 72 अति संवेदनशील मतदान केन्द्र भी बनाए गए थे।

मतदाता सूची से गायब मिले तमाम लोगों के नाम

काशीपुर। मतदाता सूचियों से नाम गायब होने के लेकर तमाम लोग परेशान दिखे। सूचियों से पूरे–पूरे परिवार के वोट शामिल होना नहीं पाए गए। इससे नाराज लोगों ने पोलिंग बूथों पर पहुंचकर विरोध जताया। वार्ड नंबर 33 से कांग्रेस नेता विनोद वात्सलय और उनकी पत्नी उमा वात्सल्य मतदान करने के लिए पहुंची। एक निजी स्कूल की प्रबंधक उमा ने बताया कि वह पिछले चालीस वर्षों से काशीपुर में मतदान करती रही हैं, लेकिन इस बार के निगम चुनाव में उनके परिवार के सभी चार नाम सूची में नहीं हैं। वहीं वार्ड नंबर 15 के नवीन जोशी और उनकी पत्नी नीरज जोशी विद्युत उपकेंद्र में बनाए गए पोलिंग बूथ पर मतदान करने पहुंचे। वहां दोनो के नाम सूची में शामिल नहीं थे। पटेलनगर निवासी जसपाल सिंह ने बताया कि उसके परिवार में आठ सदस्य हैं। सभी लोग अभी तक वोट करते रहे हैं। गुरुवार को वे लोग वोट डालने के लिए पशु चिकित्सालय पहुंचे तो उनके नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं थे। कुमाऊं कालोनी सोहिल गोस्वामी का वोट कचनालगाजी के प्राईमरी स्कूल के बूथ पर है। लेकिन उसका नाम भी सूची से नहीं पाया गया। वार्ड नंबर एक निवासी नीलू देवी का नाम भी सूची में नहीं मिला। कुछ मतदाताओं ने नाम पते गलत होने अथवा नाम दूसरे वार्ड में शामिल होने की भी शिकायत मिली।

बुजुर्ग बोले, शहर के विकास के लिए मतदान जरूरी

विकासनगर। मतदान को लेकर बुजुर्गों में भी उत्साह देखने को मिला। कोई लाठी के सहारे तो कोई परिजनों का हाथ पकड़कर मतदान केंद्र तक पहुंचा और वोट देकर जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाई। बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ मतदान में भाग लेकर युवाओं को भी मताधिकार के प्रयोग का संदेश दिया। आशा राम वैदिक इंटर कॉलेज में 80 वर्षीय बूंदी देवी, प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर के बूथ पर मतदान करने पहुंची 85 वर्षीय सत्या देवी, प्राथमिक विद्यालय हरबर्टपुर में मतदान करने पहुंचे बुजुर्ग सतपाल सिंह, जैन बालिका इंटर कॉलेज में मतदान करने पहुंचे 89 वर्षीय गोपीचंद महेंद्रू और 79 वर्षीय विमला देवी आदि ने कहा कि शहर के विकास के लिए हर नागरिक को मतदान करना चाहिए। कहा कि उनको चलने में परेशानी होती है, लिहाजा उनके परिजन उन्हें मतदान केंद्र तक लेकर आए। मतदान करने पहुंचे बुजुर्गों के उत्साह ने दूसरे मतदाताओं को भी वोटिंग के लिए प्रोत्साहित किया। बुजुर्गों का कहना था कि शहर के विकास में योगदान देने के लिए मतदान बहुत जरूरी है, सभी लोगों को मतदान जरूर करना चाहिए। केंद्र पर तैनात कर्मचारी और सुरक्षा कर्मियों ने बुजुर्ग मतदाताओं का सहयोग किया।

95 वर्षीय पूर्व पालिकाध्यक्ष ने भी किया मतदान

प्राथमिक विद्यालय विकासनगर में मतदान करने पहुंचे 95 वर्षीय पूर्व पालिकाध्यक्ष चंदन लाल अग्रवाल अपने आवास से करीब पांच सौ मीटर दूर पोलिंग बूथ तक पैदल ही पहुंचे। इसके बाद वह सैयद रोड स्थित एक राजनैतिक दल के बस्ते पर बैठकर लोगों को मतदान के लिए जागरूक करते रहे।

फर्जी वोट डालने का प्रयास करते कई लोग हिरासत में

काशीपुर। काशीपुर नगरनिगम चुनाव में मतदान को लेकर कई हंगामा देखने को मिला। वहीं कुछ लोगों को फर्जी वोट डालने के आरोप में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आर्य कन्या इंटर कॉलेज के बूथ पर एक मतदाता मोहर लगाकर मतपत्र केंद्र से बाहर ले आया। इसी दौरान कुछ लोगों की नजर उस पर पड़ गई। कुछ लोगों ने उसे पकड़ लिया।

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत चालीस वार्डों में सात बजे तक हुआ 65.7 प्रतिशत मतदान

जयन्त प्रतिनिधि ।

कोटद्वार : कोटद्वार निकाय चुनाव में किस्मत आजमा रहे प्रत्याशियों का भविष्य मतपेटियों में बंद हो गया है। कोटद्वार क्षेत्र के चालीस वार्डों में शांतिपूर्वक ढंग से मतदान हुआ। सुबह से मतदान के लिए बूथों में मतदाताओं की भीड़ उमड़ी हुई थी।

शहर की छोटी सरकार बनाने के लिए मतदताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन की टीमें भी मुस्तैद दिखी। निकाय चुनाव संपन्न करवाने के लिए चालीस वार्डों में 60 मतदान केंद्र बनाए गए थे। जिसमें 108 मतदान बूथ थे। गुरुवार सुबह से ही बूथों पर मतदान करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। युवाओं से लेकर बुजुर्गों में मतदान को लेकर काफी उत्साह दिखाई दिया। सात बजे तक शहर में 65.7 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके उपरांत मतदान केंद्रों के मुख्य दरवाजें बंद कर दिए गए। इसके बाद भी केंद्र के भीतर मतदाता घंटों लाइन में खड़े होकर मतदान का इंतजार करते नजर आए। प्रशासन की टीम भी लगातार केंद्रों का दौरा करती रही। आमजन से मतदान को शांति पूर्वक संपन्न करवाने की अपील की जा रही थी। निकाय चुनाव में किस्मत आजमा रहे छः महापौर व पार्षदों प्रत्याशियों का भविष्य मतपेटियों में बंद हो गया है। 25 जनवरी को परिणाम घोषित किया जाएगा। मतदान संपन्न करवाने के बाद अब प्रशासन मतदान का परिणाम घोषित करने की व्यवस्थाओं में जुट गया है।

मतदान के बाद जीत-हार की गणित लगाने लगे प्रत्याशी व समर्थक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : निकाय चुनाव में मतदान संपन्न होने के बाद अब जीत-हार का गणित लगने लगा है। प्रत्याशी व उनके समर्थक अपनी स्थिति का आंकलन करते हुए नजर आए। यही नहीं कई समर्थक बूथों के बाहर वोट करके आने वाले मतदाओं का भी चेहरा पढ़ रहे थे। लेकिन, मतदाताओं की खामोशी उनकी चिंता बढ़ा रही थी। नतीजा क्या होगा इसका पता 25 जनवरी की तिथि ही निर्धारित करेगी।

निकाय चुनाव में प्रचार-प्रसार करते हुए प्रत्याशियों व उनके समर्थकों ने खूब पसीना बहाया। यही कारण है कि वह अपनी जीत को पक्का मान रहे हैं। मतदान संपन्न होने के बाद समर्थक व उनके प्रत्याशी अपनी जीत की गणित लगा रहे हैं। राजनीतिक दलों ने अपने प्रभारियों से बूथ स्तर से मतदान के रुझान तलब किए हैं। कांटे की टक्कर वाले क्षेत्रों में पार्टियों की सर्वाधिक नजर है। इन क्षेत्रों की गणित प्रत्याशियों व उनके

कोटद्वार में मतदान केंद्र के बाहर खड़े प्रत्याशियों के समर्थक व अन्य

समर्थकों के लिए काफी मुश्किल भी होने वाली है। फिलहाल, अब तक की गणित में सभी प्रत्याशी अपने जीत को सुनिश्चित मान रहे हैं।

कई वार्डों में वोटरों की चुप्पी ने भी प्रत्याशी व उनके समर्थकों की चिंता बढ़ाई है। खासकर महिला वोटरों को पढ़ना प्रत्याशियों के लिए मुश्किल हो रहा है। जबकि, पुरुष व युवा वोट कर खुलकर अपने प्रत्याशी के समर्थन में थे। मतदान के बाद से ही चुनावी गणित लगने का सिलसिला शुरू हो गया था। मतदान केंद्रों के बाहर प्रत्याशियों के समर्थक वोटरों के चेहरों को भी पढ़ने का प्रयास कर रहे थे। कई समर्थक वोटरों के चेहरों को देखकर अपने प्रत्याशी की जीत-हार का निर्णय करते हुए नजर आए। वहीं, राष्ट्रीय पार्टी के बड़े नेता प्रत्येक बूथ में घूम-घूम कर कार्यकर्त्ताओं व पदाधिकारियों से स्थिति की जानकारी ले रहे थे।

मतदान को दिखा उत्साहः बुजुर्ग, दिव्यांग व बीमार जनों ने पेश की मिशाल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बुजुर्ग, बीमार और दिव्यांगों ने भी निकाय चुनाव में मतदान करके मिशाल कायम की। अपनी परेशानी भूलकर मतदान करने पहुंचे इन मतदाताओं ने युवाओं को लोकतंत्र की मजबूती के लिए आगे आने की प्रेरणा दी। घर से मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए परिवार के सदस्य इन लोगों की मदद करते हुए नजर आए।

लोकतंत्र के पर्व में हर किसी ने अपनी भागीदारी निभाई। इन सबसे बीच बूथों पर पहुंच रहे बुजुर्ग, बीमार व दिव्यांग सभी के लिए मिसाल बन रहे थे। काशीरामपुर तल्ला में वोट डालने पहुंचे 86 वर्षीय बुजुर्ग ने कहा कि शहर की छोटी सरकार को चुनने के लिए हम सभी को अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। लोकतंत्र में मतदान हम सभी का अधिकार है। जो लोग मतदान नहीं करते उन्हें फिर अव्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करने का भी अधिकार नहीं है। देवी रोड स्थित बूथ पर मतदान करने पहुंचे बुजुर्ग रघुवीर सिंह ने बताया कि कई लोग कहते हैं कि हमारे एक वोट से क्या होगा, लेकिन यही एक-एक वोट मिलकर सैकड़ों वोट बनाते हैं। वोट देना हमारा अधिकार है। जिसे हम हर चुनाव में पूरी गंभीरता से निभाते हैं। बूथ तक पहुंचाने में उनके स्वजन उनकी पूरी मदद कर रहे हैं।

कोटद्वार में निकाय चुनाव के दौरान मतदान करने पहुंचे बुजुर्ग

युवाओं ने पहली बार किया मतदान, बोले विकास की सोच रखने वाला हो नेता

कोटद्वार में मतदान करने लाइन में लगे युवा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : निकाय चुनाव में काफी संख्या में ऐसे युवक-युवतियां पहुंची, जिन्होंने पहली बार मतदान किया। मतदान के पलों को यादगार बनाने के लिए उन्होंने सेल्फी भी ली। युवाओं का कहना था कि दलगत नीतियों से उठकर विकास की सोच रखने वाले को ही उन्होंने अपना वोट दिया है।

शहर की सरकार बनाने के लिए पहली बार मतदान करने वाले युवक-युवतियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। मतदान की प्रकिया को पहली बार देख युवक-युवतियों काफी खुश दिखाई दी। इन युवक-युवतियों का कहना था कि निगम में किसी की भी सरकार बने लेकिन, सबका उद्देश्य विकास का होना चाहिए।

शहर में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के लिए गंभीरता से कार्य हो। उन्होंने नेताओं से चुनाव के दौरान किए वादों को पूरा करने की भी अपील की। पहली बार मतदान करने वाली युवती श्रुति नेगी ने कहा कि युवा ही बदलाव ला सकते हैं। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी बनती है कि बेहतर को चुनने के लिए मतदान करें। पहली बार मतदान करके काफी अच्छा लग रहा है। इस पल को यादगार बनाने के लिए हमने अपने फोन में फोटों भी ली है। वोटर विख्यात सिंह ने कहा कि वोट हमारा अधिकार है। हमारा वोट ही हमारा विकास तय करता है। शहर की सरकार बनाने में योगदान देकर अच्छा लगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए हम सभी को अपने वोट का प्रयोग करना चाहिए। वोटर प्रियंका ने कहा कि अब तक हम परिवार के सदस्यों को ही वोट करने के लिए जाते हुए देखते थे। लेकिन, इस बार हमें भी वोट करने का अधिकार मिल गया है। हमारा उद्देश्य सदैव बेहतर प्रत्याशी को चुनने का होगा।

सड़कों पर छाया रहा सन्नाटा

मतदान के दौरान शहर की सड़कों पर सन्नाटा छाया हुआ था। सड़कों पर मतदाता ही दोपहिया वाहनों में घूमते हुए नजर आए। बस स्टेशन में भी यात्रियों की बहुत कम भीड़ थी। शहरवासियों ने लोकतंत्र के पत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाई।

शहर में मतदान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर छाया सन्नाटा

नेताजी सुभाष चंद्र बोस को जयंती पर किया नमन

विकासनगर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नई यमुना कॉलोनी डाकपत्थर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुसूया प्रसाद जखमोला और टीचिंग स्टाफ ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र–छात्राओं ने विद्यालय प्रांगण और उसके आसपास स्वच्छता अभियान चलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश कुमार और विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुसुया प्रसाद जखमोला ने छात्र–छात्राओं का आह्वान किया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन चरित्र से सीख लें। प्रधानाचार्य ने कहा कि देश की आजादी के लिए जो कार्य नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने देश के लिए किया उसे कभी नहीं भुलाया जा सकता। मौके पर आचार्य अवधेश, तपेंद्र, कमलेश, दिवाकर, दीपक, अखिलेश, चंदन, पंकज, कालिका, धन सिंह, मुकेश, शकुंतला आदि मौजूद रहे।

इंडियन पब्लिक स्कूल में मनाई गई नेताजी की जयंती

सेलाकुई। दि इंडियन पब्लिक स्कूल राजावाला में भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। आजादी की लड़ाई के इस महानायक को आईपीएस विद्यालय परिवार ने श्रद्धा सुमन समर्पित किए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने राजकीय इंटर कॉलेज मैटाकुण्ड, पौड़ी गढ़वाल से हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2008 में अनुक्रमांक 0057962 से उत्तीर्ण की। मेरी हाईस्कूल की अंकतालिका व सर्टिफिकेट कहीं खो गया है, जो काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिला है।

पूजा पुत्री विशेश्वरी देवी एवं सते सिंह निवासी ग्राम पाखरी, पोस्ट बौंसाल तल्ला, तहसील सतपुली, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

वोटर लिस्ट से गायब था नाम, मायूस होकर वापस लौटे

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : शहर की छोटी सरकार बनाने को लेकर लोगों में काफी उत्साह दिखा। सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर भीड़ उमड़ रही थी। ऐसे में कई ऐसे लोग भी थे और घर से मतदान करने के लिए निकले थे लेकिन, लिस्ट में नाम नहीं होने के कारण उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। मतदान से वंचित लोगों ने इसके लिए बीएलओ व निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराया।

गुरुवार सुबह आठ बजे से शहर में मतदान शुरू हो गया था। वोट डालने से पूर्व लोग बूथों पर स्थिति अपने वार्ड की लिस्ट में अपना नाम खोज रहे थे। अधिकांश बूथों पर लोगों का मतदाता सूची से नाम ही गायब था। ऐसे में उन्हें मायूस होना पड़ा। वार्ड नंबर 16 निवासी अरुण, संगीता, मनीष ने बताया कि पूर्व में उन्होंने विधानसभा चुनाव के लिए मतदान किया था। लेकिन, इस बार उनका लिस्ट में कही भी नाम नहीं है। कुंभीचौड़ निवासी गीता रानी, अरुण मिश्रा, वरुण मिश्रा ने बताया कि पूर्व में हर चुनाव में वह मतदान करते थे। लेकिन, निकाय चुनाव में मतदान लिस्ट से उनका नाम गायब हो चुका है। जबकि, पूर्व में घर-घर लिस्ट तैयार करने के लिए आने वाली प्रशासन की टीम को उन्होंने पर्याप्त दस्तावेज भी जमा करवाए थे। बालासौड़, पदमपुर व भाबर क्षेत्र के कई स्थानों पर तो एक ही परिवार के कई सदस्यों के नाम ही गायब थे। लोगों का आरोप था कि निर्वाचन विभाग मतदान के लिए जागरूक तो करता है। लेकिन, वोट लिस्ट को गंभीरता से तैयार नहीं करता है। ऐसे में सैकड़ों लोग मतदान करने से वंचित रह गए।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा बैटरी ऑपरेट व्हीकल, ई–वी चार्जिंग कम पार्किंग, वाणिज्य विज्ञापन तथा बिजनोर स्टेशन पर इंटीग्रेटेड कॉन्ट्रैक्ट एवं नैमिषारण्य रेलवे स्टेशन पर रिटायरिंग रूम के ठेकों को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ website **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 06.02.2025 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है ।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग

247/25 उत्तर रेलवे , मुरादाबाद

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (₹)	कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी राशि (₹)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1.	**01 / वरिष्ठ मं.वि.अभि. / सा. / मुरा. / 2025:** मुरादाबाद के डिवीजनल रेलवे अस्पताल में नए केंद्रीय कार्यालय ब्लॉक की स्थापना और रोगी उपचार क्षमता का वृद्धि कार्य, एडीईएन / एचक्यू / एमबी के तहत; जीसीटी के लिए सामान्य उपयोग यात्री सुविधाओं के लिए विद्युत कार्य, जो पूरी तरह से रेलवे भूमि पर विकसित किया जाएगा, डीएलपी में; मुरादाबाद स्थित एमबी डिपो में मौजूदा धुलाई लाइनों की भारी मरम्मत / सुधार के लिए विद्युत कार्य; और मुरादाबाद में डिवीजनल अधिकारियों के लिए चार पुराने और जर्जर टाइप–V ब्लॉक्स (वसुंधरा–II) के प्रतिस्थापन के लिए विद्युत कार्य।	86,66383.72 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	1,73,300/-	8 (आठ) माह	निविदायें दिनांक 12.02.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय / उत्तर रेलवे / मुरादाबाद
2.	**02 / वरिष्ठ मं.वि.अभि. / सा. / मुरा. / 2025:** ADEN/HW के अंतर्गत अधिकारी विश्राम में क्षति को रोकने हेतु वायरिंग एवं एसेट्स की भारी मरम्मत का विद्युत कार्य एवं सीनियर डीईएन / II / एमबी के अनुभाग में लेवल क्रॉसिंग के उन्नयन के लिए विद्युत कार्य।	22,99,428.39 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	46,000/-	6 (छः) माह	निविदायें दिनांक 12.02.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय / उत्तर रेलवे / मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. 01 / 2025 दिनांक 21.01.2025 240/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

फरवरी माह के पहले सप्ताह में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता करेंगे देहरादून कूच

हरिद्वार। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की 18 हजार रुपये मानदेय और अन्य मांगों को लेकर विभाग भी गंभीर है। विभाग ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रस्ताव को शासन में भेजा है। शासन से ही इस आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों पर निर्णय होना है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में अपने विभिन्न मांगों को लेकर देहरादून मुख्यालय कुच करेंगी। उधर विभाग की सीडीपीओ सुलेखा सहगल का कहना है कि जो प्रस्ताव या मांग पत्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की ओर से उन्हें दिए जाते हैं। उनको वह उच्च अधिकारियों को ट्रांसफर कर देते हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब वह अन्य सरकारी कर्मचारी की भांति काम करते हैं। तो उन्हें समान काम समान वेतन क्यों नहीं मिलता। कम मानदेय पर वह अपने परिवार का गुजर बसर नहीं कर सकती। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मोबाइल रिचार्ज की दर 400 होने की बात का हवाला देती है।

दिल्ली से चोरी की गई कार समेत दो चढ़े हत्थे

हरिद्वार। दिल्ली से चोरी की गई कार बरामद करते हुए शहर कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा है, उनके कब्जे से दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस, सोने–चांदी के जेवरात बरामद किए गए है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया। नगर पुलिस अधीक्षक पंकज गैरोला ने बताया कि कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा की अगुवाई में पुलिस टीम ने भीमगोड़ा मार्ग पर चेकिंग के दौरान बिना नंबर की सफेद कार को रोकना चाहा लेकिन चालक ने रोकने की बजाय कार को मोड़ना चाहा। पुलिस टीम ने संदेह होने पर घेराबंदी कर कार को रोक लिया।

फर्जी दस्तावेज बनाकर भूमि हड़पने का आरोप, मुकदमा दर्ज

हरिद्वार। भूमि हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज बनाकर इकरार नामा करने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर सिडकुल पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पथरी के धनपुरा निवासी बीरबल की पुत्री सुनीता ने सिडकुल थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका कोई भाई नहीं है और उनके पिता ने लंढौरा में भूमि ली थी। इसकी रजिस्टर्ड वसीयत उसी के ही नाम है। बताया कि उसका सरकार के साथ भूमि को लेकर विवाद विचाराधीन है।

विभिन्न वार्डों से मूक बधिरजनों ने किया मतदान

हरिद्वार। धर्मनगरी के मूक बधिरजनो में भी मतदान को लेकर काफी उत्साह है। देवभूमि बड़ी एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता सोनिया अरोड़ा ने बताया कि मूक बधिरजनो ने वाडी के सौंदर्यीकरण, शहरहित और विकास को लेकर अपने मन की आवाज पर अपने अपने वार्ड और मेयर प्रत्याशी को वोट देकर मतदान किया।

उन्होंने यह भी कहा कि मूक बधिरजन और दिव्यागजन प्रत्येक चुनाव में हमेशा मतदान करते है। प्रदेश अध्यक्ष संदीप अरोड़ा ने कहा कि मूक बधिरजन हमेशा से ही राज्य और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देते आ रहे है। स्थानीय और जिले के साथ साथ राज्य स्तर पर बड़ी संख्या में मूक बधिरजनों द्वारा मतदान में भाग लिया गया। वार्ड 19 से संदीप अरोड़ा, सोनिया अरोड़ा, पवन, देव शर्मा, वार्ड 18 से ओम बंसल, वार्ड 11 से विवेक केशवानी, वार्ड 24 से सरदार मोंटू, वार्ड 25 से विध्यांशु खुल्लर, वार्ड 14 से रजत कुमार, वार्ड 15 से अश्विन शर्मा, जमालपुर वार्ड से राजकुमार और अभय ने मतदान किया।

नगर निकाय चुनाव में पौड़ी जिले में सात बजे तक 63.05 प्रतिशत मतदान हुआ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नगर निकाय चुनाव में पौड़ी जिले में सात बजे तक 63.05 प्रतिशत मतदान हुआ। नगर निगम कोटद्वार में 65.7 प्रतिशत, नगर निगम श्रीनगर 65.43, नगर पालिका पौड़ी 60.41, नगरपालिका दुगड्डा 79.4, नगर पंचायत सतपुली 73.4, थलीसैंण 76.76, स्वार्गाश्रम जौंक 79.6 प्रतिशत रहा।निकाय चुनाव में किस्मत आजमा रहे प्रत्याशियों का भविष्य मतपेटियों में बंद हो गया है। गुरूवार को नगर निगम कोटद्वार, नगर निगम श्रीनगर, नगर पालिका पौड़ी, दुगड्डा, नगर पंचायत सतपुली, थलीसैंण, स्वार्गाश्रम में शहर की सरकार चुनने के लिए युवा, बुजुर्ग, दिव्यांग से लेकर महिलाओं और पुरुषों में गजब का उत्साह देखने को मिला। अपने मत का प्रयोग करने के लिए ठंड की चिंता छोड़ युवाओं के साथ ही बुजुर्ग सुबह ही घर से निकले और लाइनों में लगकर मतदान किया। कुछ केंद्रों को छोड़ दे तो अधिकतर केंद्रों पर देर शाम तक वोटरों की लाइन लगी रही। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन की टीमें भी मुस्तैद दिखी।शहर की सरकार चुनने के लिए युवा, बुजुर्ग, दिव्यांग से लेकर महिलाओं और पुरुषों ने गजब का उत्साह देखने को मिला। गुरुवार को नगर निगम और नगर पंचायत के लिए साफ सुथरी सरकार चुनने को और अपनी पसंद का मेयर और अध्यक्ष चुनने के लिए लोगों ने सुबह अपने सारे काम छोड़ वोट देना जरूरी समझा। नगर निकाय चुनाव की मतदान प्रक्रिया को पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने को लेकर जनपद की सात निकायों में कुल 107 वार्डों के लिए 128 मतदान केंद्र, जबकि 187 मतदेय स्थल बनाए गये हैं। गुरुवार सुबह से ही बूथों पर मतदान करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। युवाओं से लेकर बुजुर्गों में मतदान को लेकर काफी उत्साह दिखाई दिया। शाम पांच बजे उपरांत मतदान केंद्रों के मुख्य दरवाजें बंद कर दिए गए। इसके बाद भी केंद्र के भीतर मतदाता घंटों लाइन में खड़े होकर मतदान का इंतजार करते नजर आए। प्रशासन की टीम भी लगातार केंद्रों का दौरा करती रही। आमजन से मतदान को शांति पूर्वक संपन्न करवाने की अपील की जा रही थी।

नगर पंचायत सतपुली के मतदान केंद्रों में करीब 73 प्रतिशत हुआ मतदान

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : नगर पंचायत सतपुली के मतदान केंद्रों में करीब 73 प्रतिशत मतदान हुआ। लगभग 2767 मतदाताओं में से 2031 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया गया। सतपुली नगर पंचायत में अध्यक्ष और वार्डों में कांग्रेस और बीजेपी प्रत्याशियों के बीच सीधे टक्कर है। प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 1 में कुल वोटर 659 में 234 महिला, 228 पुरुष, वार्ड नंबर 2 में 1193 वोटर में से 436 महिला, 436 पुरुष, वार्ड नंबर 3 में 601 वोटर में से 183 महिला, 261 पुरूष, वार्ड नंबर 4 में 314 वोटर में से 124 महिला, 128 पुरूष मतदाता ने अपने मत का प्रयोग किया। 2767 में से कुल मतदान 2031 मतदाताओं ने वोट दिया, याने 73 प्रतिशत मतदादातों ने शहर की सरकार चुनने के लिए वोट किया। 25 जनवरी को सतपुली इंटर कॉलेज में मतगणना की जाएगी। सभी प्रत्याशियों का भविष्य मतपेटियों में सुरक्षित हो गया है। सभी मतपेटियां इंटर कालेज सतपुली में प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा में सुरक्षित रखी गई है।

आईएचएमएस के छात्र आकाश और शिवराज का हुआ पांच सितारा होटल में चयन

होटल मैनेजमेंट का एक वर्षीय कोर्स सीएचएम करने के बाद हुआ सलेक्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी मैनजमैंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज में होटल मैनेजमेंट के एक वर्षीय कोर्स सीएचएम में शिक्षा ले रहे छात्र आकाश थापा और शिवराज कुमार का राजस्थान अजमेर के प्रतिष्ठित पांच सितारा, ताज होटल ग्रुप की शाखा प्रताप महल के लिए चयन हुआ है। छात्रों के पांच सितारा होटल में नौकरी लगने पर छात्रों और कालेज प्रबंधन में खुशी का माहौल है। मानपुर निवासी छात्र आकाश थापा के पिता प्रेम थापा प्राइवेट जॉब करते हैं और माता कल्पना थापा गृहणी है। कुंभीचौड़ सनेह निवासी छात्र शिवराज कुमार के पिता

भारतेंदु प्रसाद जलनिगम में कार्यरत हैं और उनकी माता शांति देवी गृहणी है। आकाश और शिवराज ने जनवरी 2024 में कोटद्वार के आईएचएमएस कालेज में संचालित एक वर्षीय होटल मैनेजमेंट कोर्स सीएचएम में एडमिशन लिया। दोनों ने इस दौरान अपनी मेहनत और लगन से छह माह पढ़ाई की। इसके बाद कॉलेज की ओर से उनको ग्रेटर नोयडा में स्थापित फाइव स्टार डीलक्स लग्जरी होटल जेपी ग्रीन्स में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया। जहां पर दोनों छात्रों ने छह माह सर्विस विभाग में प्रशिक्षण प्राप्त कर महारत हासिल की। इसके बाद ताज ग्रुप के एचआर के समक्ष साक्षात्कार के बाद दोनों का चयन प्रताप महल अजमेर राजस्थान के लिए हुआ है। दोनों छात्रों ने अपने चयन का श्रेय कालेज में मिली बेहतर शिक्षा, गुरजनों और अपने परिजनों को दिया है।कालेज के एमडी बीएस नेगी और ईडी अजय राज नेगी ने दो छात्रों के चयन पर खुशी जताते हुए बताया कि आईएचएमएस कालेज में छात्रों की बेहतर शिक्षा के लिए उच्च स्तीय संसाधन जुटाए गए हैं। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सामान्य ज्ञान में श्रुति ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नेहरू युवा केंद्र, पौड़ी द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पाबौ में संगोष्ठी और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में ग्राम सिमखेत से श्रुति प्रथम, ग्राम ढिकवाली से मयंक द्वितीय, ग्राम कोटली से आरूषी तृतीय स्थान पर रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य नूतन बड़थ्वाल ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि नेताजी ने आजाद हिन्द फौज की स्थापना कर देश को आजादी दिलवाने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

उनका यह नारा तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा आज भी हर हिन्दुस्तानी के मन में देशभक्ति का जज्बा पैदा करता है। पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवी ज्योति ने कहा कि नेताजी बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे, इसका लोहा अंग्रेजी हुकूमत ने भी माना। इस मौके पर बालिका इंटर कॉलेज की प्रवक्ता संतोष गौड़, ग्रामोत्थान परियोजना से रूस्तम रौथान, युवा मंडल सिमखेत से नैंसी, आदित्य, करन, विक्की आदि उपस्थित रहे।

एसएसपी ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

निर्वाचन ड्यूटी के साथ-साथ वृद्ध, दिव्यांग मतदाताओं की मदद कर पुलिस कर्मियों ने दी मानवता की मिशाल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी नगर पालिका, थलीसैंण नगर पंचायत, सतपुली नगर पंचायत और श्रीनगर नगर निगम के लिए गुरूवार को शांतिपूर्ण मतदान हुआ। एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जनपद पौड़ी के कई क्षेत्रों में नगर निकाय चुनाव की मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न हो गई है। पौड़ी पुलिस द्वारा चुनाव को शांतिपूर्वक, निष्पक्ष व

सकुशल सम्पन्न कराने में शति प्रतिशत भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार सभी मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मतदान ड्यूटी में नियुक्त समस्त सुरक्षा कार्मिकों द्वारा मतदान केन्द्र के अन्दर महिला व पुरुषों को अलग-अलग कतारों में लगाने, बूथ के अन्दर किसी भी व्यक्ति को मोबाईल फोन, कैमरा व ऐसा कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जिससे मतदान में व्यवधान उत्पन्न हो नहीं ले जाने दिया गया। पुलिस कर्मियों ने मतदान के दौरान बुजुर्गों व असहाय व्यक्तियों की सहायता की। मतदाताओं ने पुलिस कर्मियों की कार्यशैली की सराहना की। पुलिस अधिकारियों ने मतदान केन्द्रों के आस-पास अनावश्यक भीड इकट्ठा न होने, शान्ति व्यवस्था बनाये रखने, सकुशल, पारदर्शी, निष्पक्ष व भयमुक्त मतदान कराने हेतु पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही सभी मतदाताओं से निर्भीक, निष्पक्ष बिना किसी प्रलोभन के मतदान करने की अपील की।

थलीसैंण नगर पंचायत में 1830 मतदाताओं ने डालें वोट

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : निकाय चुनाव को लेकर मतदाताओं ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। नगर पंचायत थलीसैंण में अध्यक्ष और सभासद पद के लिए हुए मतदान में 1830 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान को लेकर दिव्यांगों और बुजुर्गों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। मुश्किल हालातों में बुजुर्ग और दिव्यांग लोकतंत्र के पर्व में आहुति डालने मतदान केंद्रों में पहुंचे। प्रशासन ने भी ऐसे लोगों की मदद के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की थीं। थलीसैंण में गुरुवार को निकाय चुनाव के मतदान में बड़ी संख्या में दिव्यांगों और बुजुर्गों ने वोट दिया। इनमें से कई बुजुर्ग और दिव्यांग ऐसे थे, जो ठीक से चलने में भी सक्षम नहीं थे। इसके बाद भी इन लोगों ने लोकतंत्र में पूरी आस्था जताई। प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार थलीसैंण नगर पंचायत में 2384 मतदाता है। जिसमें से 1830 मतदाताओं ने वोट डाला। वार्ड नंबर एक में 761, वार्ड नंबर दो में 563, वार्ड नंबर तीन में 492, वार्ड नंबर चार में 568 मतदाता है। वार्ड नंबर एक में 581, वार्ड नंबर दो में 462, वार्ड नंबर तीन में 360, वार्ड नंबर चार में 427 मतदाताओं ने वोट डाला।

मतदान में महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर की भागीदारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी नगर पालिका, थलीसैंण नगर पंचायत, सतपुली नगर पंचायत और श्रीनगर नगर निगम के लिए गुरूवार को हुए मतदान में महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर भागीदारी की। बड़ी संख्या में आठ सात बजे से पोलिंग बूथ पर पहुंच कर महिलाओं ने अपने मत का प्रयोग किया। मतदान करने के लिए महिलाओं की शाम तक पोलिंग बूथ पर लंबी कतारें लगी रही। मतदान करने पहुंची अधिकांश महिलाओं का कहना था की घरेलू काम रोजाना होते है। लेकिन शहर की मजबूत सरकार बनाने के लिए मतदान करना जरूरी है। कहा कि सभी को मतदान जरूर करना चाहिए।

पहली बार मतदान को लेकर उत्साह में दिखे युवा

थलीसैंण : नगर निकाय चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले युवा वर्ग में काफी उत्साह देखा गया। मतदान केंद्रों पर वोट देने के लिए युवा, बुजुर्ग, दिव्यांग हर कोई उत्साहित नजर आ रहा है। इस दौरान मतदान केंद्रो से कुछ प्रेरक तस्वीरें भी सामने आईं। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर जमकर सराहना मिल रही है। राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज थलीसैंण के बूथ में पहली बार मतदान कर केंद्र से बाहर आते हुए कई युवा उत्साहित दिखे। सुबह आठ बजे से ही मतदाता बूथ पर वोट डालने के लिए पहुंच गए। आठ बजे से ही मतदान केंद्रों पर मतदाता लाइन में खड़े थे। मतदाता अपनी पसंद का उम्मीदवार चुनने के लिए उत्सुक नजर आए। युवाओं में मतदान के प्रति काफी जोश देखा गया वे सुबह सवेरे ही मतदान करने में आगे रहे। शहर की लोकल सरकार के चुनाव को लेकर युवा वर्ग काफी उत्साहित नजर आया। हाथ अंगुली में पहली बार मतदान की स्याही लगाने को लेकर युवाओं में अलग सा जोश देखने को मिला।

विद्यालय में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित

जयन्त प्रतिनिधि।सतपुली : पोखड़ा ब्लॉक के इंटर कॉलेज लियाखाल में गुरूवार को मां सरस्वती की प्रतिमा विधि-विधान से पूजा अर्चना कर मंत्रोचार के साथ प्राण प्रतिष्ठा कर मूर्ति की स्थापना की गई। मंच का निर्माण और मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना वरिष्ठ लिपिक मंजू नेगी द्वारा की गई है। गुरूवार को मूर्ति की स्थापना के बाद

विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इससे पूर्व विधि विधान से पूजा अर्चना कर हवन किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य दीपक रावत, पूर्व प्रधानाचार्य जयपाल रावत ने मंजू नेगी का आभार व्यक्त किया। कहा कि शिक्षा के मंदिर में मां सरस्वती की प्रतिमा को स्थापित होने से हम सभी लोग काफी खुश हैं। सरस्वती मां की प्रतिमा स्थापना से पूजन अर्चन होगी और इस शिक्षा के मन्दिर व इसमें पढ़ने वाले बच्चों का उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय के विकास में सभी को सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान राजपाल रावत सिलेथ, नरेंद्र रावत कमेडी, क्षेत्र पंचायत सदस्य गिरीश ढौंडियाल, मनोहर पंत, मनोज नौटियाल, देवेन्द्र रावत, उमेश सुंदरियाल, पंकज ढौंडियाल आदि मैजूद रहे।

युवाओं में दिखा उत्साह, बुजुर्ग और दिव्यांगों ने भी लोकतंत्र में आहुति दी

ऋषिकेश। शहर में गुरुवार को सुबह से ही मतदान को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। पोलिंग बूथों पर युवाओं ने लंबी कतारों में आधे से एक घंटे के इंतजार के बाद मताधिकार का प्रयोग किया, तो उनके चेहरे खिले दिखे। दिन चढ़ने के साथ ही मतदाताओं की संख्या में भी बूथों पर इजाफा होता नजर आया। बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाता भी पूरे जोश के साथ मतदान केंद्र पर पहुंचे। लोकतंत्र के महापर्व में उन्होंने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। गुरुवार सुबह करीब आठ बजे से नगर निगम चुनाव के लिए बने 84 बूथों पर मतदान प्रारंभ हुआ। सर्दी की वजह से सुबह मतदान की रफ्तार धीमी रही, लेकिन 10 बजे के बाद अचानक से इसमें तेजी आई। मतदाता भारी संख्या में बूथों पर मतदान को पहुंचे, तो दोपहर 12 बजे 20.23 प्रतिशत मतदान हुआ। दो घंटे बाद मतदान का प्रतिशत 10 बढ़कर 29.56 पहुंच गया।

चार बजे 45 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के लिए ज्यादा संख्या युवाओं की दिखी, तो महिलाओं ने भी जमकर मतदान करते हुए शहर और वार्ड के विकास के लिए प्रत्याशियों के नामों पर बैलेट पेपर में मुहर लगाई। बुजुर्ग भी मतदान केंद्रों पर पहुंचे। उन्हें फौरन मतदान की सुविधा दी गई। जबकि, दिव्यांगों में भी मतदान के लिए गजब का उत्साह देखने को मिला।

90 वर्षीय राजो देवी ने कहा, मतदान का प्रयोग जरूरी

ऋषिकेश। नगर निगम चुनाव में सदानंद मार्ग निवासी 90 वर्षीय महिला राजो देवी भी मतदान के लिए पहुंचीं। ठीक से नहीं चल पाई, तो परिवार के सदस्यों ने हाथों का सहारा देकर उन्हें दूनमार्ग स्थित जीजीआईसी में बूथ के भीतर दाखिल कराया। बुजुर्ग मतदाता को देखते ही तैनात निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने उन्हें तत्काल मतदान की सुविधा दी। इस बीच राजो देवी ने कहा कि मतदान का प्रयोग जरूरी है। इससे ही आपका और आपके बच्चों और शहर का भविष्य तय होता है। कहा कि वह हर चुनाव में मताधिकार का प्रयोग करती हैं। उन्होंने अन्य लोगों से भी लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान जरूर करने के लिए प्रेरित किया।

कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल व विस अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी ने किया मतदान

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने भी परिवार के साथ मतदान किया। वह अपनी बुजुर्ग माता धमी देवी बेटे पीयूष अग्रवाल और पुत्रवधू अर्श अग्रवाल के साथ ज्योति स्पेशल स्कूल में मतदान करने पहुंचे। यहां उन्होंने मतदान करते हुए हर किसी को लोकतंत्र के पर्व में भागीदारी के लिए प्रेरित भी किया। हवाला देते हुए बताया कि शारीरिक पीड़ा के बावजूद उनकी बुजुर्ग माता वोट देने पहुंचीं। मीडिया कर्मियों से बातचीत में मंत्री अग्रवाल ने कहा कि ऋषिकेश में भाजपा की एकतरफा जीत तय है। सोशल मीडिया पर लड़ने वाले विरोधियों को भी इसका भान हो चुका है। कहा कि विकास भाजपा के शासनकाल में ही संभव है। बोले, केंद्र और राज्य के बाद अब तीसरी सरकार के रूप में जनता भाजपा को चुन रही है। कहा कि 25 जनवरी को मतगणना के बाद अच्छे मतों के साथ ही भाजपा की जीत होगी। चुनाव के दौरान कुछ लोगों ने भ्रामक प्रचार किया और हथकंडे अपनाए। अब जनता उन्हें सबक सिखा रही है। इस तरह की प्रत्याशी चुनाव के बाद भी नजर नहीं आते हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में सीएम पुष्कर सिंह धामी के विकास कार्यों के साथ ही शहर में एक बार फिर विकास को रफ्तार देने के लिए भाजपा के नाम पर मुहर लग रही है।

उधर, कोटद्वार नगर पालिका में वोट डालने के लिए उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए लंबी कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया। विस अध्यक्ष ने अपने विधानसभा क्षेत्र कोटद्वार के वार्ड 27 जीवानंदपुर बुथ संख्या 73 कक्ष संख्या 3 में मतदान किया। मतदान केंद्र से बाहर आने के बाद विधानसभा अध्यक्ष खंडूड़ी ने लोगों को वोट डालने के लिए जागरूक किया।

जनपद की 1 नगर पालिका परिषद एवं 4 नगर पंचायतों में शांतिपूर्ण ढंग से हुआ मतदान

जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार ने प्रा.वि. खुरड़ में डाला वोट, जिला निर्वाचन अधिकारी और प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : नागर निकाय निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपादित कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की गई है। जनपद की एक नगर पालिका परिषद तथा चार नगर पंचायतों हेतु कुल 30 मतदान बूथों पर शांति पूर्ण ढंग से मतदान हुआ। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार ने मतदान केंद्र राजकीय प्राथमिक विद्यालय खुरड़ में पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयोग से तैनात किए गए प्रेक्षक मुक्ता मिश्रा ने भी कई बूथों का निरीक्षण कर चल रही मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय बेलनी, पशु चिकित्सालय कार्यालय रुद्रप्रयाग, जिला पंचायत कार्यालय रुद्रप्रयाग, राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर वहां चल रही मतदान प्रक्रियाओं का जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शिता, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न करें। बुजुर्ग, दिव्यांग एवं महिला

मतदाताओं का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जनपद की नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से चला। मतदाताओं में काफी उत्साह भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया था। इसके साथ ही युवा मतदाताओं को भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया तथा काफी संख्या में नए मतदाताओं को जोड़ा गया है। उन्होंने मतदान केंद्रों में सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों को निष्पक्ष एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मतदान केंद्रों में कोई अव्यवस्था न हो इसके लिए मतदाताओं को कतारबद्ध तरीके से मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कहा है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्याम सिंह राणा, रिटर्निंग अधिकारी नगर पालिका परिषद रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com